<u>फा. सं. 42001/02/2022/एनसीवीइटी</u>

<u>भारत सरकार</u>

<u>राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद</u>

दिनांक: 3 मार्च, 2023

विषय: राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) और माइक्रो क्रेडेंशियल्स (एमसी) के परिणाम, अनुमोदन एवं प्रयोग करने के बारे में दिशा-निर्देश।

1. राजपत्र अधिसूचना सं. एसडी- 17/113/2017-एएंडपीडब्ल्यू, दिनांक 5 दिसंबर, 2018 के पैरा 16 के आदेश के अनुसरण में राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) ने राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) एवं माइक्रो क्रेडंशियल्स (एमसी) के परिणाम, अनुमोदन एवं प्रयोग करने के बारे में दिशा-निर्देश तैयार किए हैं।

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की परिकल्पना को पूरा करने के लिए तथा नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ), एक से अधिक पुरस्कार प्रदानकर्ता निकाय (मल्टीपल अवार्डिंग बॉडीज) को मान्यता देने, क्रॉस सैक्ट्रल एंड मल्टी सैक्ट्रल कौशल जैसी नई-नई नीतियों के आगमन होने से अर्हताओं के स्वरूप में अधिकाधिक अनुरूपता लाने की जरूरत महसूस की गई थी।

3. इन दिशा-निर्देशों से माड्यूलर शिक्षण मानकों के डिजाइन बनाने और विकसित करने के लिए पुरस्कार देने वाले निकायों हेतु सक्षम वातावरण तैयार होगा, जिससे शिक्षार्थियों को कई कौशल सैटों पर परीक्षण कर लेने के बाद निरंतर सीखने और परस्पर गतिशीलता के लिए सशक्त बनाया जा सकेगा। इन दिशा-निर्देशों में उच्च आंतरिक मांग वाले और उभरते हुए उद्योग कौशल पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिससे सीखने के छोटे और सूक्ष्म मॉड्यूल के माध्यम से कौशल के विकास और अभिवृद्धि करने के लिए बड़े-बड़े अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

कर्नल सन्तोष कुमार
सचिव

भाग - 1

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस)
के विकास, अनुमोदन और उपयोग
के लिए दिशानिर्देश

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी)

3 मार्च, 2023

विषय सूची

प्रस्तावना : ..... Error! Bookmark not defined.

राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक : ..... Error! Bookmark not defined.

अंतर्राष्ट्रीय कार्यप्रणालियां : ..... Error! Bookmark not defined.

एनओएस का प्रयोजन : **4**

भारत में एनओएस : **4**

राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क और एनओएस: **5**

एनओएस के घटक : **6**

एनओएस के स्तर : **7**

एनओएस आधारित अनुमोदन की जरूरत : **8**

एनओएस के प्रकार **10**

क) प्रयोजता के अनुसार **:** **10**

ख) संरचना के अनुसार : **10**

ग) अनुमोदन के अनुसार : **10**

एनओएस अनुमोदन व्यवस्था: **10**

एनओएस की अवधि : **12**

एनओएस कोष : **12**

एनओएस का अंगीकरण : **12**

एनओएस का मूल्यांकन और प्रमाणीकरण : **13**

एनओएस की संरचना और एनएसक्यूसी अनुमोदन के लिए प्रारूप : **14**

अनुबंध I (अनुमोदन के लिए नमूना) : **15**

प्रस्तावना

1. राष्ट्रीय कौशल विकास और उद्यमिता नीति, 2015 **"एक राष्ट्र एक मानक"** के विचार को दोहराती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कौशल के लिए राष्ट्रीय मानक और गुणवत्ता वैश्विक व्यवस्था के अनुरुप और शिक्षण परिणामों के अनुकूल हो। मानक आधारित प्रशिक्षण और मूल्यांकन, प्रशिक्षण को परम्परागत सिद्धांत आधारित दृष्टिकोणों से दूर व्यावहारिक वितरण और मूल्यांकन की ओर ले जाता है, एक ऐसा दृष्टिकोण जो उद्योग की मांग के अनुसार निर्दिष्ट मानक पर प्रदर्शन के लिए आवश्यक कौशलों की उपलब्धि और प्रदर्शन पर जोर देता है।

2. **व्यावसायिक मानक**, जिनमें संबंधित प्रशिक्षण मानक और मूल्यांकन शामिल हैं, कार्यस्थल पर रोजगार अपेक्षाओं और मानक पूंजीगत विकास (अर्थात शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम) के बीच एक अनिवार्य कड़ी है, जो नागरिकों को व्यक्तिगत रुप से उनके पूरे जीवन काल के दौरान प्रभावित करती है। व्यावसायिक मानक उच्च गुणवत्ता की शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के डिजाइन के लिए एक प्रमुख योगदान कर सकते हैं जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि वे कार्यस्थल की जरूरतों और समग्र अर्थव्यवस्था के लिए सीधे तौर पर जुड़े हैं।

राष्ट्रीय **व्यावसायिक मानक**

3. राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) में प्रदर्शन का एक ऐसा मानक निर्धारित किया गया है, जिसे कार्यस्थल में कार्यक्रम करते समय एक व्यक्ति को अवश्य ही हासिल करना चाहिए और साथ ही ऐसी जानकारी और समझ हासिल करनी चाहिए, जो उन्हें उस मानक को निरंतर पूरा करने के लिए जरूरी हो। अनिवार्य रुप से एनओएस अच्छी कार्यप्रणाली का साक्ष्य आधारित बैंचमार्क है जिसके लिए नियोक्ताओं के प्रतिनिधि तथा अन्य प्रमुख हितधारकों की सहमति हुई है। प्रत्येक एनओएस संबंधित जॉब की भूमिका में विशिष्ट कार्य करने के संबंध में संगत प्रदर्शन मानदंड के लिए प्रमुख कार्य को परिभाषित करता है। कुल मिलाकर, ये एनओएस एक ऐसी अर्हता का निर्माण करते हैं, जिसका उपयोग शिक्षार्थियों की किसी विशेष जॉब की भूमिका के लिए प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यप्रणालियां

4. कई राष्ट्रों द्वारा एनओएस विकसित किया गया है और उनके अलग-अलग नाम हैं, जैसे यूनाइटेड किंगडम में राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस), कोरिया गणराज्य में राष्ट्रीय क्षमता मानक (एनसीएस), सिंगापुर में कार्यस्थल कौशल अर्हता (डब्ल्यूएसक्यू)।

5. **यूके में**, राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस) को ऐसे मानक निर्धारण संगठनों

(एसएसओ) द्वारा विकसित किया जाता है, जो यूके के सभी राष्ट्रों (स्कॉटलैंड, वाल्स, उत्तरी आयरलैंड और इंग्लैंड) के नियोक्ताओं और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करते हैं। इस परामर्श प्रक्रिया में प्रत्येक राष्ट्र द्वारा किसी किन्हीं विशिष्ट अपेक्षाओं पर विचार किया जाता है और उसी के परिणाम के रूप में एक ऐसा एनओएस का सेट तैयार किया गया है, जो यूके में उपयोग के लिए उपयुक्त है। एनओएस को एक साझा फार्मेट में तैयार किया गया है जिसे चार राष्ट्रों के आधार पर अनुमोदित किया गया है और विषय सामग्रियों के लिए स्कोटिश अर्हता प्राधिकारण (एसक्यूए) की मान्यता प्राप्त है। प्रत्येक एनओएस की एक प्रकाशित तिथि है, जो यह बताती हैं कि उसे कब अनुमोदित किया गया था और सबसे नए एनओएस को इस डेटाबेस में सूचीबद्ध किया जाता है। एक आगामी समीक्षा की तिथि भी है, जिसे एक मार्गदर्शन के रूप में प्रयोग किया जाता है, जब उसकी समीक्षा की जानी होती है और जब उसे शुरू किया जाता तो हितधारकों से फीडबैक लिए जाते हैं। यद्यपि एनओएस को एक व्यक्तिगत क्षमता के उपाय के रूप में विकसित किया जाता है, उन्हें इस तरह से समूहित किया जाता है, जो उसने संबंधित क्षेत्र की पहचान होते हैं। वर्तमान में करीब 900 एनओएस हैं और करीब 23,000 अलग एनओएस हैं। वे व्यापक क्षेत्रों को कवर करते हैं।

6. **कनाडा में,** प्रत्येक एनओएस का विकास और रखरखाव एक **राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक विकास समिति (एनओएसडीसी)** की अगुवाई में होता है, जिसमें उद्योग, श्रम और शिक्षा सहित पूरे कनाडा के विभिन्न समूहों से विषय विशेषज्ञ शामिल होते हैं। एनओएस विकास समितियां एनओएस की एक नियमित समीक्षा (पांच वर्षीय) करती है ताकि वे उद्योग के लिए मौजूद और संगत रहें। इसके अलावा, एनओएस पर आधारित प्रशिक्षण मानक विकसित किए जाते हैं, जिन्हें राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण मानक (एनओटीएस) कहा जाता है। कनाडा में एनओटीएस ऐसे शिक्षण परिणाम और शिक्षण उद्देश्य प्रदान करते हैं, जो गुणवत्ता प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम डिजाइन और विकास में मार्गदर्शन करते हैं।

7. **संयुक्त राज्य अमेरिका में**, व्यावसायिक सूचना नेटवर्क (ओ*नेट) एक फ्री ऑनलाइन नेटवर्क है, जिसमें छात्रों, रोजगार के इच्छुक व्यक्तियों, कारोबार और कार्यस्थल विकास संबंधी व्यावसायिकों की मदद के लिए जॉब की सैकड़ों परिभाषाएं हैं, जिससे संयुक्त राज्य में आज की कामकाजी दुनिया को समझा जा सकता है, इसे 1990 के दशक के दौरान नार्थ कोरोलिना एम्पलायमेंट सिक्योरिटी कमीशन (अब एनसी कामर्स डिपार्टमेंट) को एक अनुदान के माध्यम से यूएस डिपार्टमेंट ऑफ लेबर एंड ट्रेनिंग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसडीओएल/ ईटीए) के संरक्षण में विकसित किया गया था। यह व्यवसायों को अपेक्षित ज्ञान, कौशलों और अर्हताओं

के संदर्भ में स्पष्ट करता है और यह दर्शाता है कि कार्यों, कार्यकलापों और अन्य रूपों के संदर्भ में कैसे कार्य का निष्पादन किया जाता है।

8. एनओएस को सामान्यतः औपचारिक दस्तावेजों के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो एक विशिष्ट व्यवसाय (हेनमेन एंड लेडफोर्ड, 1998) में सफलतापूर्वक प्रवेश करने और निष्पादन करने के लिए व्यक्तिगत अर्हता की आवश्यकताओं का वर्णन करता है। एनओएस विशिष्टतः व्यापक राष्ट्रीय श्रमिक विकास प्रयासों (ली एंड जेकोब) का भाग हैं। तथापि, विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानकों, व्यवसायों और फ्रेमवर्क के बीच मैपिंग और क्षेत्रीय अर्हता फ्रेमवर्क के विकास के साथ ही एनओएस धीरे-धीरे एक अंतर्राष्ट्रीय पहचान और मान्यता हासिल कर रहा है।

एनओएस का प्रयोजन

9. वर्तमान में एनओएस दो प्रयोजनों के लिए प्रयोग किया जाता है, नामतः विभिन्न कौशल अर्हता स्तरों पर जॉब की भूमिकाओं के सन्दर्भ में कार्यात्मक क्षमता आधारित यूनिट का विकास करने और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पाठ्यक्रम सुविधा पदान करना; तथा शिक्षार्थियों की क्षमता के संबंध में मूल्यांकन और प्रमाणीकरण के लिए मूल्यांकन उपकरण और टूल विकसित करने के लिए।

10. यद्यपि एनओएस का प्रयोग प्रायः अर्हताओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के निर्माण के लिए किया जाता है, लेकिन क्षेत्र, संगठन या व्यक्ति एनओएस का प्रयोग मानव संसाधन प्रबंधन और विकास के किसी भी अन्य पहलू के लिए प्लेटफार्म के रूप में कर सकते हैं। उदाहरण के लिए :

क. कार्यबल (वर्कफोर्स) योजना
ख. प्रदर्शन मूल्यांकन और विकास प्रणालियां
ग. जॉब विवरण
घ. कार्य स्थल कोचिंग
ङ. वैचारिक अभ्यास

भारत में एनओएस

11. भारत की जनसांख्यकी का लाभ उठाने और उद्योग में कुशल कर्मियों की तेजी से बढ़ रही मांग को पूरा करने के लिए 21वीं शदी की शुरुआत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) एवं कौशल नीति में उद्योगों के अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की ओर ध्यान दिया गया है। संस्थागत व्यवस्था को राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और क्षेत्र कौशल परिषदों

(एसएससी) के रूप में तैयार किया गया, जो भारत में व्यावसायिक मानकों के विकास में अग्रणी हैं। साथ ही, राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) की संकल्पना विकसित हो रही थी, जिसेक कारण एनएसक्यू को कार्यान्वित करने के लिए वर्ष 2013 में राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी (एनएसडीए) की स्थापना हुई। वीईटी और कौशल नीति के लिए आधार बनाने वाली विभिन्न संकल्पनाओं और प्रशिक्षण मानकों के विकास और अनुमोदन की प्रक्रिया के साथ-साथ इस अवधि के दौरान मानकों को औपचारिक रूप दिया गया और अधिसूचित किया गया।

राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क और एनओएस :

12. **राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएनक्यूएफ**) अनेक ज्ञान, कौशलों और अर्हता स्तरों के अनुसार अर्हताओं की व्यवस्था करता है। इन स्तरों को ऐसे शिक्षण परिणामों के संदर्भ में परिभाषित किया गया है, जो शिक्षार्थी के पास होने चाहिए, भले ही वे औपचारिक, गैर-औपचारिक या अनौपचारिक शिक्षण के जरिए हासिल किए गए हों। इस संदर्भ में एनएसक्यूएफ एक गुणवत्ता आश्वासन व्यवस्था है। अतः यह एक राष्ट्रीय एकीकृत शिक्षा और क्षमता आधारित कौशल फ्रेमवर्क है, जो व्यावसायिक शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के भीतर और व्यावसायिक शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, सामान्य शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के बीच होरिजोन्टल और वर्टिकल अनेक मार्ग प्रदान करता है, इस प्रकार यह शिक्षण के एक स्तर को दूसरे संबंधित या उच्च स्तर के साथ जोड़ता है। यह एक व्यक्ति को वांछित अर्हता स्तर प्राप्त करने, जॉब मार्केट में जाने और एक उपयुक्त समय पर अपनी दक्षताओं को और उन्नत बनाने के लिए अतिरिक्त कौशल अर्जित करने के लिए वापसी करने में समर्थ बनाता है।

13. वर्तमान में, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), जिसे भारत सरकार द्वारा वीईटी और कौशल के लिए एक राष्ट्रीय नियामक के रूप में स्थापित किया गया है, जो पूर्ववर्ती राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी (एनक्यूए) और राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) के कार्यों और जिम्मेदारियों को समाहित करके एनएसक्यूएफ का संचालन करता है। एनसीवीटी राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति (एनएसक्यूसी) नामक एक शीर्ष समिति के माध्यम से विभिन्न अवार्डिंग निकायों द्वारा प्रस्तुत एनएसक्यूएफ के अनुसार अर्हता को अनुमोदन प्रदान करती है।

14. **अर्हता** से तात्पर्य मूल्यांकन और सत्यापन प्रक्रिया के एक औपचारिक परिणाम से है, जो तब प्राप्त होता है, जब सक्षम निकाय यह निर्धारित करता है कि किसी व्यक्ति ने दिए गए

मानकों के अनुसार शिक्षण परिणाम प्राप्त कर लिए हैं। यह परिणाम एक औपचारिक प्रमाण पत्र के रूप में कार्यान्वित किया जाता है। एक अर्हता में विभिन्न एनओएस शामिल होते हैं, जो एक जॉब की भूमिका के लिए एकत्रित क्षमताओं का एक सेट बनाते हैं। जबकि पहले केवल एसएससी की अर्हता एनओएस पर आधारित होती थी, अन्य एबी भी अब एनओएस आधारित प्रणाली की तरफ रूख कर रहे हैं।

15. एक अर्हता और उसके अनुरूप एनओएस का उदाहरण :

क) **अर्हता का नाम :** खाद्य विश्लेषक

ख) **जॉब विवरण** : एक खाद्य विश्लेषक भोजन के भौतक और रासायनिक गुणों का निर्धारण करने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक परीक्षण करने के लिए जिम्मेदार है। वे परीक्षण के परिणामों को रिकार्ड करने और संकलित करने, चार्ट और रिपोर्ट तैयार करने के साथ ही कल्चर प्लेट की तैयारी और इंक्यूबेशन के लिए जिम्मेदार हैं। वे गुणवत्ता आश्वासन लक्ष्यों और प्रक्रियाओं को परिभाषित करते हैं और गुणवत्ता मानकों के लिए लक्ष्यों, प्रोटोकॉल, आपूर्ति, प्रक्रियाओं, उपकरणों और प्रौद्योगिकियों की समीक्षा करके उनके रखरखाव और निरंतर सुधार को देखते हैं।

ग) **एनओएस सूची :**

i. परिक्षण प्रक्रिया के लिए तैयारी सुनिश्चित करना

ii. भोजन की रासायनिक, भौतिक, माइक्रोबायोलॉजिकसल और संवेदक जांच करना

iii. संकलन और रिकार्ड का अवलोकन करना

iv. कार्यस्थल पर स्वास्थ्य् और सुरक्षा प्रक्रियाओं का कार्यान्वयन करना।

v. भोजन के लिए प्रयुक्त पैकिंग सामग्री का विश्लेषण करना ।

एनओएस के घटक

16. एनओएस व्यावसायिक क्षमता का वर्णन करता है, जिसमें कार्य के संदर्भ में प्रदर्शन परिणामों का विवरण होता है। क्षमता, कार्यस्थल में आवश्यक प्रदर्शन मानकों के लिए ज्ञान और कौशल का निरंतर अनुप्रयोग है। यह नई स्थितियों और वातावरण में कौशल और ज्ञान को स्थानांतरित करने और लागू करने की क्षमता का प्रतीक है। क्षमता में की गई गतिविधियों के विपरित कौशल और ज्ञान के अनुप्रयोग के परिणाम पर ध्यान दिया जाता है।

क) क्षमता और कौशल : एनओएस में व्यावसायिक क्षमता का वर्णन किया जाता है। व्यावसायिक क्षमता और कौशल के लिए भ्रमित न होना महत्वपूर्ण है। यद्यपि लोगों को सक्षम बनने के लिए कौशल की आवश्यकता होती है, लेकिन क्षमता किसी कार्यकरण के

लिए कौशलों (और ज्ञान) को लागू करने के संबंध में है। वेल्डिंग एक कौशल है। टूटे हुए हल की मरम्मत (जिसमें वेल्डिंग शामिल है) किसान द्वारा मूल्यवान कार्य होता है। वेल्डिंग का नियोक्ता और ग्राहक के लिए कोई प्रयोजन नहीं है। हल की मरम्मत करने से आगे काम होता है। जोड़ने और घटाने में समर्थ होना एक कौशल है। लाभ और हानि खाता बनाना एक कार्य है। आपको एक को करने के लिए दूसरे की जरूरत पड़ती है। लेकिन वे समान चीजें नहीं है। अतः एनओएस में एक क्षमता का वर्णन करते समय उस क्षमता की प्राप्ति के लिए आवश्यक कौशलों को भी बताना पड़ता है।

ख) ज्ञान और समझ : एनओएस में किसी विशेष कार्य अथवा जॉब के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मान्य क्षमता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और समझ का वर्णन किया जाता है। इस बात पर बल दिया जाता है कि व्यक्ति को क्या करने में सक्षम होना चाहिए, उसे प्रभावी ढंग से काम करने के लिए किस बात की जानकारी और समझ होनी चाहिए। तथ्यों, सिद्धांतों और विधियों के ऐसे ज्ञान और समझ से यह सुनिश्चित होता है कि व्यक्ति संगठनों में संबंधित जॉब की भूमिकाओं और कार्यों के संदर्भ में अपेक्षित मानकों को मापता है।

एनओएस के स्तर :

17. राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) में आठ स्तर शामिल हैं, प्रत्येक स्तर उस स्तर के अनुरूप क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक जटिलता, ज्ञान और स्वायत्तता के एक अलग स्तर का प्रतिनिधित्व करता है। फ्रेमवर्क का स्तर एक सबसे कम जटिलता को प्रदर्शित करता है जबकि स्तर आठ सबसे उच्च जटिलता को प्रदर्शित करता है। शिक्षण के परिणामों के रूप में, व्यक्त मानदंडों द्वारा स्तरों को परिभाषित किया जाता है। जीवन भर शिक्षण के दौरान, व्यक्ति निचले स्तर से उच्च स्तर या योग्य होने के स्तर पर चले जाएंगे, क्योंकि वे नया सीखते है और नया कौशल अर्जित करते हैं।

18. सभी एनएसक्यू के अनुसार और अनुमोदित अर्हताओं और उनके संबंधित एनओएस को विवरणकों (डिस्क्रिप्टर) के एक सेट के आधार पर एक निश्चित एनएसक्यूएफ स्तर पर आंका जाता है। इन स्तरीय विवरणकों (डिस्क्रिप्टर) को शिक्षण के परिणामों के बीच व्यापक तुलना करने की दृष्टि से डिजाइन किया गया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि प्रत्येक अर्हता/ एनओएस में स्तरीय विवरणकों (डिस्क्रिप्टर) में सभी निर्धारित अर्हताएं होंगी अथवा होनी चाहिए। एक ही स्तर पर दो या दो से अधिक अर्हताओं/ एनओएस की स्थिति केवल यह दर्शाती है कि वे परिणाम के सामान्य स्तर के संदर्भ में व्यापक रूप से तुलनीय हैं। यह इस बात का संकेत

नहीं करता कि उनके पास आवश्यक रूप से समान उद्देश्य या सामग्री है। स्तरीय विवरणकों के छः सेट इस प्रकार हैं :

क) व्यावसायिक सैद्धांतिक ज्ञान

ख) व्यावसायिक और तकनीकी कौशल/ विशेषज्ञता

ग) रोजगार तैयारी और उद्यमिता

घ) कौशल और मानसिकता

ङ) व्यापक शिक्षण परिणाम

च) जिम्मेदारी

19. अर्हता का स्तर इसके सभी एनओएस संघटकों के स्तरों का औसत है। आदर्श रूप में प्रमुख एनओएस स्तर, अर्हता के समग्र स्तर से कम नहीं होना चाहिए।

एनओएस आधारित अनुमोदन की जरूरत

20. अनेक अवार्डिंग निकायों को मान्यता देने, व्यापक क्षेत्रीय और बहु- क्षेत्रीय कौशल होने, अर्हताओं के अंगीकरण जैसी नई नीतियां आ जाने के साथ ही अर्हताओं के डिजाइन को अधिक लचीला बनाने की जरूरत महसूस की गई है। इसके अलावा तेजी से बदलती जॉब अपेक्षाआओं को पूरा करने के लिए स्टैंडअलोन एनओएस का उपयोग कौशल उन्नयन और ब्रिज कोर्स के रूप में किया जा सकता है। एनओएस के अनुमोदन और अलाइनमेंट की आवश्यकता को स्थापित करने के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं :

क. **व्यापक क्षेत्रीय और बहु क्षेत्रीय अर्हता डिजाइन की सुविधा** : कई क्षेत्रों और/ अथवा किए गए जॉब कार्यों को पूरा करने के लिए अर्हताओं के डिजाइन की नई संकल्पनाओं के साथ ही, व्यक्तिगत एनओएस के अनुमोदन की अंतर्निहित आवश्यकता है, जिसका उपयोग ऐसी अर्हताओं का निर्माण करने के लिए किया जा सकता है।

ख. उपलब्ध ज्ञान के उपयोग की सुविधा : एबी को अपनी अर्हताओं के भाग के रूप में एनओएस के डिजाइन और विकास की जरूरत है, भले ही किसी अन्य एबी के ऐसे एनओसएस पहले से मौजूद है। एनओएस को आसानी से अपनाने की अनुमति देने के लिए एनओएस अनुमोदन की आवश्यकता है।

ग. **कौशल सुधार में सुविधा** : कौशल सुधार के लिए अधिकांशतः छोटी दक्ष इकाइयों की आवश्यकता होती हैं, जो कि इस समय कार्यान्वयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

एनओएस अनुमोदन से एबी, उद्योगों, नियोक्ताओं और शिक्षार्थियों को आवश्यकता के अनुसार दक्ष इकाई चुनने का अवसर मिलेगा।

घ. **कौशल सुधार के साथ ब्रिज कोर्स और आरपीएल सुविधा** : अभ्यार्थियों के पूर्व शिक्षण को मान्य करने के लिए अधिकांशत: ब्रिज कोर्स आवश्यक होता है। चूंकि स्टैंडअलोन व्यक्तिगत एनओएस के लिए कोई प्रावधान मौजूद नहीं हैं, अतः सभी को एक मानक ब्रिज कोर्स करने का प्रस्ताव किया जाता है, जिससे उद्देश्य पूरा नहीं होता। व्यक्तिगत एनओएस के साथ प्रत्येक अभ्यार्थी को आरपीएल के लिए उन्नत और अन्य कौशल के साथ अनुकूल करने और संगत ब्रिज कोर्स करने का प्रस्ताव किया जा सकता है।

ङ. **आजीवन शिक्षण की सुविधा** : शिक्षण के लचीले विकल्पों के साथ, कोई व्यक्ति आसानी से छोटे प्रशिक्षण माड्यूल चुन सकता है, जो उसके कार्य को प्रभावित नहीं करेगा और इस प्रकार आसानी से आजीवन शिक्षण की सुविधा मिलेगी।

च. अनेक प्रवेश और निकास मार्गों की सुविधा : एनओएस का उपयोग वीईटी और कौशल से शिक्षाविद बनने अथवा विपरीत स्थिति में आगे बढ़ने के दौरान विभिन्न अंतरालों को पाटने के लिए किया जा सकता है। कोई व्यक्ति पूरी अर्हता हासिल करने की कोशिश अथवा हासिल किए बिना किसी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवश्यक क्रेडिट भी अर्जित कर सकता है। व्यक्तिगत एनओएस का प्रमाणन होने से किसी व्यक्ति को कौशल प्रशिक्षण को बीच में छोड़ने और बाद की किसी अवस्था में पुनः शुरू करके केवल शेष भाग को पूरा करने की भी सुविधा होगी।

छ. **संसाधनों का बेहतर चैनलाइजेशन** : एनओएस के रूप में क्षमताओं की छोटी इकाई की उपलब्धता के साथ ही, उद्योग, शिक्षाविदों, नियोक्ताओं और शिक्षार्थियों के पास केवल अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने और पूरी अर्हता को लागू नहीं करने का भी विकल्प होगा। इससे शिक्षार्थियों सहित सभी हितधारकों के समय, प्रयासों और धन की बचत होगी।

21. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए और सदैव सक्रिय डिजिटल दुनिया के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए, इन दिशानिर्देशों में कौशल प्राप्ति, कौशल सुधार और पुनः कौशल प्राप्ति की उद्योग संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए एनओएस के लिए विकास और अनुमोदन की नीति निर्धारित की गई है।

एनओएस के प्रकार

22. वर्तमान में, निम्नलिखित प्रकार के एनओएस हैं :

क) प्रयोज्यता के अनुसार :

i. **जेनरिक/ हॉरिजोंटल एनओएस -** सामान्य क्षमताओं के रूप में क्षेत्रों और जॉब भूमिकाओं के लिए लागू।

ii. **डोमेन एनओएस** - किसी क्षेत्र में जॉब की भूमिका अथवा संगत जॉब संबंधी भूमिकाओं के लिए विशेष रूप से लागू।

ख) संरचना के अनुसार:

i. **अनिवार्य एनओएस :** एक अर्हता के भाग के रूप में लागू करना अनिवार्य है।

ii. **वैकल्पिक एनओएस :** एक अर्हता के भाग के रूप में लागू करना वैकल्पिक है।

ग) अनुमोदन के अनुसार :

i. स्टेंडअलोन एनओएस - एनएसक्यूसी द्वारा स्टेंडअलोन एनओएस के रूप में अनुमोदित। यह जेनरिक हो सकता है अथवा डोमेन एनओएस।

ii. **अर्हता के भाग के रूप में एनओएस** - व्यक्तिगत रूप से अनुमोदित नहीं, लेकिन एक अनुमोदित और अनुकूल अर्हता का भाग है।

एनओएस अनुमोदन व्यवस्था :

23. जैसा कि पहले स्पष्ट किया गया है, एनएसक्यूएफ अलाइनमेंट और विभिन्न अवार्डिंग निकायों द्वारा प्रस्तुत अर्हता का अनुमोदन एनसीवीईटी में मौजूद राष्ट्रीय कौशल अर्हता समिति (एनएसक्यूसी) नामक एक शीर्ष समिति के माध्यता से किया जाता है। वर्तमान में एनएसक्यूएफ अलाइनमेंट और अनुमोदन केवल अर्हता (जॉब की भूमिका के अनुरूप) के लिए किया जाता है, न कि व्यक्तिगत एनओएस के लिए।

24. तथापि, अब से एनएसक्यूएफ के साथ एनओएस का अनुमोदन और अलाइनमेंट भी एनएसक्यूसी द्वारा किया जाएगा। जैसा कि पैरा 22 (ग) में उल्लिखित है, दो प्रकार के एनओएस हैं, अर्थात स्टेंटअलोन एनओएस और अर्हता के भाग के रूप में एनओएस। एन एनओएस के लिए निम्नलिखित अनुमोदन व्यवस्था होगी :

क) **स्टेंडअलोन एनओएस के रूप में विकसित एनओएस :**

i. एक एनसीवीईटी मान्यता प्राप्त अवार्डिंग निकाय एनओएस के डिजाइन और विकास के लिए पात्र होगा। स्टेंडअलोन एनओएस का उपयोग कौशल उन्नयन में अथवा ब्रिज कोर्स के रूप में किया जा सकता है। एनओएस को उद्योग/ निकायों के परामर्श से विकसित

किया जाएगा।

ii. एनएसक्यूसी अनुमोदन के लिए व्यक्तिगत/ स्टेंडअलोन एनओएस प्रस्तुत करने के लिए एक मानक प्रारूप एनओएस के संबंध में आवश्यक विभिन्न जानकारी के विवरण के साथ अनुबंध I में संलग्न है।

iii. उद्योग वैधता : इसमें निम्नलिखित परिदृश्य हो सकते हैं :

- यदि एनओएस को किसी उद्योग/ नियोक्ता की विशिष्ट आवश्यकता के लिए विकसित किया जाता है, तो संबंधित उद्योग/ नियोक्ता द्वारा तर्कसंगत औचित्य बताना आवश्यक होगा।
- यदि एनओएस शैक्षणिक प्रयोजन के लिए एक ब्रिज कोर्स के माध्यम से प्रवेश/ समतुल्यता के लिए है तो संबंधित नियामक जरुरत के आधार पर निर्णय लेगा।
- यदि कोई अन्य एनओएस है, तो एक अर्हता की मानक एनएसक्यूएफ अलाइनमेंट प्रक्रिया के लिए यथावश्यक उद्योग वैधता लागू होगी।

iv. एक बार अनुमोदन हो जाने के बाद, व्यक्तिगत एनओएस को विभिन्न हितधारकों के लिए एनक्यूआर पर अपलोड किया जाएगा।

v. एनओएस की वैधता भी तीन वर्ष की होगी, जिसके बाद प्रस्तुतकर्ता निकाय द्वारा एनओएस को संशोधन के लिए पुनः प्रस्तुत करने की जरूरत होगी, जैसा कि वर्तमान में एनएसक्यूएफ अलाइनमेंट और अनुमोदित अर्हता पर लागू है।

vi. एक स्टेंडअलोन एनओएस में व्यक्तिगत प्रमाणीकरण लागू होगा।

vii. एनओएस उस क्षेत्र में मान्यताप्राप्त संस्थाओं द्वारा विकसित किया जाएगा, जिसमें वे मान्यताप्राप्त हैं और उसे क्षेत्रगत भौगोलिक स्थिति में लागू किया जाएगा, जिसके लिए एनसीवीईटी द्वारा उन्हें मान्य किया गया है।

viii. यह अवार्डिंग निकाय की जिम्मेदारी होगी कि वह एनओएस के लिए शिक्षण सामग्री/ पाठ्यक्रम तैयार करे।

ix. डवलपर अवार्डिंग निकाय (जिसने एनओएस को विकसित किया है) एक नई अर्हता विकसित करते समय अथवा पुरानी अर्हता को संशोधित करते समय अनुमोदित स्टेंडअलोन एनओएस का भी उपयोग कर सकता है। तथापि यदि कोई अन्य डवलपर अवार्डिंग निकाय के एकल एनओएस का उपपयोग करना चाहता है, तो उसे एनसीवीईटी अंगीकरण दिशानिर्देशों में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार एनओएस को अपनाना होगा।

ख) ऐसे एनओएस, जो एक अनुमोदित और अनुकूलित अर्हता का भाग हैं :

ये एनओएस पहले से अनुमोदित और अनुकूलित की गई अर्हता का भाग हैं। तथापि, उन्हें एनसीवीईटी द्वारा स्टेंडअलोन एनओएस के रूप में अनुमोदित नहीं किया गया है। यदि कोई डवलपर अवार्डिंग बॉडी (जिसने अर्हता विकसित की है) इस तरह के एनओएस को स्टेंडअलोन एनओएस के रूप में अनुमोदित करना चाहता है, तो स्टेंडअलोन एनओएश के मामले में लागू होने वाली प्रक्रिया और प्रारूप लागू होगा। हालांकि चूंकि यह एनओएस पहले से है। एनएसक्यूएफ अनुकूलित और अनुमोदित अर्हता का एक भाग है, और इसकी एनएसक्यूएफ अनुमोदन प्रक्रिया के दौरान अर्हता के भाग के रूप में जांच की गई है, तो ऐसे मामले में आवश्यक उद्योग सत्यापन, अर्हता के संशोधन (परिवर्तन के साथ/ बिनवा) के लिए आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त पैरा 24 (क) में यथाउल्लिखित स्टेंडअलोन एनओएस के अनुमोदन के लिए लागू अन्य सभी प्रावधान और मानदंड लागू होंगे।

एनओएस की अवधि :

25. एनओएस को राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) और एनसीवीईटी की मानकीकरण नीति के अनुरूप न्यूनतम 30 घंटे की अवधि के लिए विकसित किया जाएगा। एनसीआरएफ के तहत एक क्रेडिट 30 घंटे शिक्षण के लिए अर्जित किया जाता है। अतः एक व्यक्तिगत एनओएस के 30 घंटे की अवधि का एक क्रेडिट होगा। 30 घंटे से कम की यूनिट माइक्रो क्रेडेंशियल होगी, जिसके लिए अलग से दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा, 45 और 60 घंटे की उच्च अवधि के एनओएस को भी एनएसक्यूसी द्वारा अनुमोदित किया जा सकता है, यदि उसकी यथोचित आवश्यकता हो।

एनओएस का कोष :

26. एनसीवीईटी द्वारा राष्ट्रीय अर्हता रजिस्टर (एनक्यूआर) पर एनओएस का एक कोष विकसित किया जाएगा और उसका रखरखाव किया जाएगा।

एनओएस का अंगीकरण :

27. एनसीवीईटी अंगीकरण दिशानिर्देश के अनुसार एनओएस के अंगीकरण की अनुमति होगी। अंगीकरण एजेंसी इन दिशानिर्देशों के अंतर्गत यथा निर्दिष्ट प्रक्रिया और फार्मेट के अनुसार एनओएस के अंगीकरण के लिए आवेदन करेगी। एक मान्यता प्राप्त एबी दोनों प्रकार के एनओएस अर्थात स्टेंडअलोन एनओएस और पहले से अनूकुलित और अनुमोदित अर्हता के

भाग के रूप में एनओएस को अंगीकरण कर सकता है। ऐसे एनओएस का अंगीकरण या तो नई अर्हता विकसित करने के लिए या कौशल उन्नयन आदि के लिए स्टेंडअलोन एनओएस की रूप में उपयोग करने के लिए किया जा सकता है।

28. अंगीकरण निकाय की स्थानीय और विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 20% का लचीलापन प्रदान किया जाएगा। तथापि, अंगीकरण निकाय एनसीवीईटी अंगीकरण दिशानिर्देशों के अंतर्गत उद्योग के वैधीकरण के साथ-साथ, इस प्रकार के अंगीकरण के लिए तर्कसंगत औचित्य प्रदान करेगा। इससे सभी एनसीवीईटी से मान्यताप्राप्त एबी द्वारा पहले से उपलब्ध एनओएस के उपयोग की सुविधा मिलेगी, जिससे प्रयासों और संसाधनों का दोहराव कम होगा।

एनओएस का मूल्यांकन और प्रमाणीकरण :

29. एनओएस का मूल्यांकन एनसीवीईटी से मान्यता प्राप्त मूल्यांकन एजेंसी के माध्यम से किया जाना है, जो एनओएस को लागू करने वाले अवार्डिंग निकास द्वारा ऑनबोर्ड किया जाना है और ऐसे एनसीवीईटी मान्यताप्राप्त अवारर्डिंग निकायों द्वारा प्रमाणन किया जाएगा। तथापि, दोहरी श्रेणी अवार्ड करने वाले निकाय एनओएस का मूल्यांकन और प्रमाणन, दोनों कर सकते हैं। इसके अलावा, एनओएस के प्रमाणन के संबंध में निम्नलिखित भी लागू होंगे :

i. एनएसक्यूसी द्वारा स्टेंडअलोन के रूप में अनुमोदित एनओएस के लिए, एनओएस के व्यक्तिगत प्रमाणन की अनुमति होगी।
ii. ऐसे एनओएस के लिए, जो स्टेंडअलोन के रूप में अनुमोदित तो नहीं, लेकिन एक पहले से अनुमोदित और अनुकूलित अर्हता का भाग है : एनओएस के व्यक्तिगत प्रमाणीकरण के लिए ऐसे मामलों को छोड़कर अनुमति नहीं होगी, जहां विशेष रूप से स्टेंडअलोन उपयोग जैसे कौशल सुधार, आरपीएल के लिए एनसीवीईटी अंगीकरण दिशानिर्देशों के अनुसार इसकी अनुमति है।

30. प्रत्येक एनओएस राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के प्रावधानों के अनुसार क्रेडिट दिया जाएगा। व्यक्तिगत क्रेडिट को शैक्षणिक क्रेडिट बैंक (एबीसी) में डिजीटल तौर पर स्टोर किया जा सकता है और उन्हें राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क द्वारा प्रदान किए अनुसार आगे रिडीम अथवा साथ में क्लब किया जा सकता है।

एनओसी की संरचना और एनएसक्यूसी अनुमोदन के लिए प्रारूप :

31. एक एनओएस को इसके आधार घटकों के रूप में निम्नलिखित के साथ संचित किया जाएगा:

    i. एनओएस शीर्षक

    ii. विवरण

    iii. दायरा

    iv. तत्व और निष्पादन मानदंड

    v. ज्ञान, समझ और कौशल

परिभाषाओं और स्पष्टीकरणों के साथ एक विस्तृत प्रारूप अनुबंध I में संलग्न है।

अनुबंध I

(कृपया स्टेंडअलोन एनओएस अर्हता फाइल को भरने के लिए दिशानिर्देश देखें)

अर्हता फाइल- स्टेंडअलोन एनओएस

<अर्हता का नाम>

☐ हॉरिजोंटल/ जेनरिक☐ वर्टिकल/ विशिष्ट
☐ कौशल उन्नयन ☐ दोहरी/ लचीली अर्हता ☐ टीओटी के लिए ☐ टीओए के लिए

☒ सामान्य ☐ बहु कौशल (एमएस) ☐ व्यापक क्षेत्रीय (सीएस) ☐ भावी कौशल

एनसीआरएफ/एनसीक्यूएफ
स्तर : प्रस्तुतकर्ता
<प्रस्तुत निकाय का नाम>

<प्रस्तुतकर्ता निकाय का संपर्क ब्यौरा>

खंड 1 : आधारिक ब्यौरा

<table>
<tr><td>1.</td><td>एनओएस - अर्हता का नाम</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>2.</td><td>क्षेत्र</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>3.</td><td>अर्हता का प्रकार ☐ नई ☐ संशोधित</td><td>एनक्यूआर कोड एवं संस्करण मौजूदा/ विगत अर्हता का : (अनुमोदित होने पर विगत संस्करण में परिवर्तन)</td><td>मौजूदा/ विगत विवरण की अर्हता का नाम : (अनुमोदित होने पर विगत संस्करण)</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>राष्ट्रीय अर्हता रजिस्टर (एनक्यूआर) कोड और संस्करण (एनएसक्यूआर के अनुमोदन के बाद जारी किया जाएगा)</td><td></td><td>5. एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर :</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>स्टैंडअलोन एनओएस का संक्षिप्त विवरण</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>7.</td><td>इस छात्र/ प्रशिक्षु/ शिक्षार्थी/ कर्मचारी के लिए प्रवेश हेतु पात्रता मानदंड</td><td colspan="2">क. प्रवेश अर्हता और संगत अनुभव :
<table><tr><th>क्र.सं.</th><th>शैक्षणिक/ कौशल योग्यता (विशेषज्ञता के साथ - यदि लागू हो)</th><th>संगत अनुभव (विशेषज्ञता के साथ- यदि लागू हो)</th></tr><tr><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td></td><td></td><td></td></tr></table>ख. आयु <यदि कोई कानूनी बाधा हो तो ही आयु लिखें>:</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>इस एनओएस को प्रदत्त क्रेडिट - अर्हता, मूल्यांकन के अध्याधीन (राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के अनुसार</td><td></td><td>9.सामान्य लागत मानक श्रेणी (I/ II/ III) (जहां कहीं लागू हो) :</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>इस योजना पर प्रशिक्षण के लिए कोई लाइसेंस संबंधी अपेक्षाएं (जहां कहीं लागू हों)</td><td colspan="2"></td></tr>
</table>

<table>
<tr><td>11.</td><td>प्रशिक्षण प्रदायगी माध्यम से प्रशिक्षण की अवधि (चुनिंदा प्रशिक्षण प्रदायगी माध्यमों के अनुसार की अर्हता की अपेक्षा के अनुसार कुछ अवधि लिखें)</td><td>☐ केवल ऑफलाइन ☐ केवल ऑनलाइन ☐ मिश्रित
<table><tr><th>प्रशिक्षण प्रदायगी माध्यम</th><th>सैद्धांतिक (घंटे)</th><th>व्यावहारिक (घंटे)</th><th>कुल (घंटे)</th></tr><tr><td>कक्षा (ऑफलाइन)</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>ऑनलाइन</td><td></td><td></td><td></td></tr></table>(ब्यौरों के लिए मिश्रित शिक्षण अनुबंध देखें)</td></tr>
<tr><td>12.</td><td>मूल्यांकन मानदंड</td><td><table><tr><th>सैद्धांतिक (अंक)</th><th>व्यावाहरिक (अंक)</th><th>परियोजना (अंक)</th><th>मौखिक (अंक)</th><th>कुल (अंक)</th><th>उत्तीर्ण %</th></tr><tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr></table></td></tr>
<tr><td>13.</td><td>क्या एनओएस विक्लांग व्यक्तियों के अनुकूल है?</td><td>☐ हां ☐ नहीं यदि “हां”, तो विकलांगता का लागू प्रकार बताएं:</td></tr>
<tr><td>14.</td><td>अर्हता प्राप्त करने के बाद उन्नति का मार्ग, यदि लागू हो
(कृपया व्यावसायिक और शैक्षणिक उन्नति बताएं)</td><td></td></tr>
<tr><td>15.</td><td>महिलाओं की भागीदारी को कैसे प्रोत्साहित किया जाएगा?</td><td></td></tr>
<tr><td>16.</td><td>अन्य भारतीय भाषाएं, जिनमें अर्हता और मॉडल पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं।</td><td>(कृपया प्रशिक्षण जरूरतों के अनुसार अन्य भारतीय भआषाओं में अर्हता के विकास के लिए आश्वासन और योजना प्रदान करें)</td></tr>
<tr><td>17.</td><td>क्या एनक्यूआर पर इसी प्रकार का एनओएस उपलब्ध है यदि हैं तो इस अर्हता के लिए औचित्य</td><td>☐ हां ☐ नहीं इसी प्रकार की अर्हता के लिए यूआरएल :</td></tr>
</table>

18.	प्रस्तुतकर्ता/ प्रदाता निकाय एसपीओसी का नाम और सम्पर्क ब्यौरा *(सीएस या एमएस के मामले में, लीडएबी और सहायक एबी दोनों का विवरण प्रदान किया गया है)*	नाम : ईमेल : संपर्क न. : वेबसाइट :	
19.	एनएसक्यूसी द्वारा अंतिम अनुमोदन की तिथि :	**20.** वैधता की अवधि :	**21.** अगली समीक्षा की तिथि :

खंड 2 : प्रशिक्षण के संबंध में

1.	संगत क्षेत्र में प्रशिक्षक की अर्हता और अनुभव (वर्ष में) (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	
2.	मास्टर प्रशिक्षक की अर्हता और संगत क्षेत्र में अनुभव (वर्षों में) (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	
3.	प्रशिक्षण के लिए आवश्यक टूल और उपकरण	☐ हां ☐ नहीं *(यदि "हां", तो ब्यौरा अनुबंध में प्रदान करें)*
4.	संशोधित एनओएस के मामले में, प्रशिक्षक के लिए आवश्यक किसी कौशल उन्नयन का ब्यौरा	

खंड 3 : मूल्यांकन से संबंधित

1.	संगत क्षेत्र में मूल्यांकनकर्ता की अर्हता और अनुभव (वर्षों में)) (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	
2.	संगता क्षेत्र में प्रौक्टर की अर्हता और अनुभव (वर्षों में)) (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार) (जहां कहीं लागू हो)	
3.	संगत क्षेत्र में प्रमुख मूल्यांकनकर्ता/ प्रौक्टर की अर्हता और अनुभव (वर्षों में)) (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	

4.	मूल्यांकन का माध्यम (मूल्यांकन का माध्यम बताएं)	
5.	मूल्यांकन के लिए आवश्यक टूल और उपकरण	☐ जैसे प्रशिक्षण के लिए है ☐ हां ☐ नहीं (यदि मूल्यांकन से भिन्न हैं, तो ब्यौरे अनुबंध में प्रदान किए जाने हैं)

खंड 4 : स्टेंडअलोन एनओएस की जरूरत का साक्ष्य

कृपया अनुबंध/ सहायक दस्तावेजों का नाम बताएं

1.	सरकार/ उद्योग की पहल/ अपेक्षा (हां/ नहीं) :
2.	उद्योग की वैधता का नं.:<उद्योग वैधीकरण सारांश और उद्योग वैधीकरणों के लिए अनुबंध की सहायक दस्तावेज, दोनों प्रदान करें(फार्मेट के अनुसार)>
3.	प्रशिक्षित किए जाने वाले लोगों की अनुमानित सं.:<ब्यौरे अनुबंध में प्रदान करें>
4.	लाइन/ राज्य विभागों के साथ सहमति/ परामर्श की साक्ष्य (नियमित क्षेत्रों के मामले में) : (हां/ नहीं) : <संगत विकल्प चुनें और सहायक दस्तावेजों का ब्यौरा दें> यदि "नहीं" तो क्यों:

खंड 5: अनुबंध और सहायक दस्तावेजों की जांच सूची

अनुबंध का नाम/सहायक दस्तावेज फाइल का नाम बताएं

1.	**अनुबंध :** एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ डिस्क्रिपटर के आधार पर एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर औचित्य (अनिवार्य)	
2.	**अनुबंध :** एनओएस के लिए सगत टूल और उपकरणों की सूची (*अनिवार्य, ऑनलाइन कोर्स को छोड़कर)*	
3.	**अनुबंध :** निस्पादन और मूल्यांकन मानदंड (*अनिवार्य)*	
4.	**अनुबंध :** मूल्यांकन रणनीति (*अनिवार्य)*	
5.	**अनुबंध :** मिश्रित शिक्षण *(अनिवार्य), यदि डिलीवरी का चुनिंदा माध्यम मिश्रित शिक्षण है।*	
6.	**अनुबंध :** संक्षिप्त रूप और शब्दावली (वैकल्पिक)	

7.	**अनुबंध/ सहायक दस्तावेज :** मानक एनओएस निष्पादन मानदंड का ब्यौरा एनओएस फार्मेट के अनुसार पीसी-वार विवरण के साथ अनुबंध/ दस्तावेज (अनिवार्य-सार्वजनिक निरीक्षण)	
8.	**सहायक दस्तावेज:** मॉडल पाठ्यक्रम *(अनिवार्य-सार्वजनिक निरीक्षण)*	

अनुबंध : स्तर का साक्ष्य

एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर विवरण	जॉब की भूमिका/ अर्हता के परिणाम की प्रमुख आवश्यकताएं	एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर डिस्क्रिपटर के संबंध में	एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर
व्यावसायिक सैद्धांतिक ज्ञान/ प्रक्रिया			
व्यावसायिक और तकनीकी कौशल/ विशेषज्ञता/ व्यावसायिक ज्ञान			
रोजगार तैयारी और उद्यमशीलता कौशल एवं मानसिक/ व्यावसायिक कौशल			
व्यापक शिक्षण परिणाम/ प्रमुख कौशल			
जिम्मेदारियां			

अनुबंध: टूल और उपकरण (लेब सेट अप)

टूल और उपकरणों की सूची/ बैच साइज :

क्र. सं.	टूल/ उपकरण का नाम	विनिर्देशन	विशिष्ट बैच साइज की मात्रा

कक्षा सहायता

कक्षा में सत्रों के आयोजन के लिए अपेक्षित सहायता इस प्रकार है :

क

ख

ग

अनुबंध : उद्योग वैधता सारांश

क्र.सं.	संगठन का नाम	प्रतिनिधि का नाम	पदनाम	संपर्क पता	संपर्क फोन न.	ई-मेल पता	लिंक्ड इन प्रोफाइल (यदि उपलब्ध हो)

प्रशिक्षण अनुमान

(अगले 3 वर्षों के लिए :

अनुबंध : प्रशिक्षण के ब्यौरे

वर्ष	कुल अभ्यार्थियों का अनुमानित प्रशिक्षण#	महिलाओं का अनुमानित प्रशिक्षण#	विकलांग व्यक्तियों का अनुमानित प्रशिक्षण#

अनुबंध : मिश्रित शिक्षण

मिश्रित शिक्षण अनुमानित अनुमान और संस्तुत टूल :

संदर्भ एनसीवीईटी "व्यावसायिक शिक्षा, प्रक्रिया और कौशल के लिए मिश्रित शिक्षण के लिए दिशानिरेदश" की उपलब्धता के लिए वेबसाइट :

https://ncvet.gov.in/sites/default/files/Guidelines%20for%20Blended%20Learning%20for%20Vocational%20Education,%20Training%20&%20Skilling.pdf

क्र. सं.	एनओएस के घटकों का चयन करें	सभी चुनिंदा घटकों के लिए - संस्तुत टूल की सूची	ऑफलाइन : ऑनलाइन अनुमान
1	☐ सैद्धांतिक/ व्याख्यान - सैद्धांतिक और संकल्पनात्मक ज्ञान प्रदान करना		
2	शिक्षार्थियों को सॉफ्ट कौशल, जीवन कौशल और रोजगार अर्हता कौशल/ मेंटॉरशिप प्रदान करना		
3	☐ शिक्षार्थियों के लिए प्रायोगिक प्रदर्शन करना		
4	☐ प्रायोगिक हैंड्स ऑन कौशल/ लेब कार्य/ कार्यशाला/ शाप फ्लोर प्रशिक्षण प्रदान करना		
5	☐ टूटोरियल/ असाइनमेंट/ ड्रिल/ प्रैक्टिस		
6	☐ प्रोक्टर मॉनीटरिंग/ मूल्यांकन/ आकलन/ जांच		
7	☐ ऑन जॉब प्रशिक्षण (ओजीटी)/ परियोजना कार्य इंटर्नशिप/ अभ्यार्थी प्रशिक्षण		

अनुबंध : स्टैंडअलोन एनओएस- निष्पादन मानदंड विवरण

1. विवरण :

2. दायरा :

दायरे में निम्नलिखित शामिल हैं :

-
-

3. घटक और प्रदर्शन मानदंड

<घटक का नाम>

सक्षम बनने के लिए जॉब पर लगा यूजर/ व्यक्ति को समर्थ होना चाहिए : पीसी1
पीसी2
.....

4. ज्ञान और समझ (केयू) :

जॉब पर लगे व्यक्ति को ज्ञान और समझ होनी चाहिए : केयू 1. केयू2.
....

5. जेनरिक कौशल (जीएस) :

जॉब पर लगे यूजर/ व्यक्ति को जानकारी होनी चाहिए : जीएस 1, जीएस2

अनुबंध : मूल्यांकन मानदंड

एनओएस के लिए विस्तृत पीसी-वार मूल्यांकन मानदंड और मूल्यांकन अंक इस प्रकार हैं :

क्र.सं.	निष्पादन मानदंड के लिए मूल्यांकन मानदंड	सैद्धांतिक अंक	व्यावहारिक अंक	परियोजना अंक	मौखिक अंक
पीसी 1.					
पीसी 2.					
पीसी 3.					
	कुल अंक				

अनुबंध : मूल्यांकन रणनीति

इस खंड में कार्यक्रम की अपेक्षित क्षमताओं के संबंध में अभ्यर्थी के मूल्यांकन के लिए सूचना की पहचान, एकत्रण और व्याख्या में शामिल प्रक्रियाएं शामिल हैं।

<1.मूल्यांकन प्रक्रिया अवलोकन :

- एसआईपी अथवा ईमेल पर मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकन एजेंसियों को प्रदान किए गए बैच
- मूल्यांकन एजेंसियां वीटीपी/ टीएल लूपिंग एसएससी को मूल्यांकन की पुष्टि भेजती है।
- मूल्यांकन एजेंसी मूल्यांकन करने के लिए टीओए प्रमाणित मूल्यांकनकर्ता की तैनाती करती है।
- एसएससी मूल्यांकन प्रक्रिया और रिकार्ड की निगरानी करती है।

2. परीक्षण वातावरण :

- मूल्यांकन स्थान, तिथि और समय जांचे
- यदि बैच का साइज 30 से अधिक है, तो 2 मूल्यांकनकर्ता होने चाहिए।

- जांचे कि अभ्यार्थियों को सैद्धांतिक प्रायोगिक मूल्यांकन के लिए आबंटित समय सही है।
- .....

3. मूल्यांकन गुणवत्ता आश्वासन स्तर /फ्रेमवर्क :
   - विषय विशेषज्ञ (एसएमई) द्वारा तैयार प्रश्न बैंक अन्य एसएमई द्वारा स्थापित है।
   - प्रश्नों को निर्दिष्ट मूल्यांकन मानदंड पर मैप किया गया है।
   - मूल्यांकनकर्ता टीओओ प्रमाणित और प्रशिक्षक टीओटी प्रमाणित होना चाहिए।
   - .....
4. साश्र्य अथवा साक्ष्य - एकत्रण प्रोटोकोल का प्रकार :
   - मूल्यांकन स्थान से मूल्यांकनकर्ता को समय पर और जियोटैग की गई सूचना
   - साइनबोर्ड के साथ सेंटर फोटोग्राफ और योजना संबंधी ब्रांडिंग
   - .....
5. सत्यापन अथवा वैधता की विधि :
   - मूल्यांकन स्थान का औचक दौरा
   - ...
6. दस्तावेज मूल्यांकन आर्काइव और प्राप्ति की विधि
   - दस्तावेजों की हार्ड कॉपी स्टोर की जाती है...>

अनुबंध : संक्षिप्त रूप और शब्दावली

संक्षिप्त रूप

संक्षिप्त रूप	विवरण
एए	मूल्यांकन एजेंसी
एबी	अवार्डिंग एजेंसी
एनसीआरएफ	राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क
एनओएस	राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक
एनक्यूआर	राष्ट्रीय अर्हता रजिस्टर
एनएसक्यूएफ	राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क

शब्दावली

शब्द	विवरण
राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस)	एनओएस विशेष कार्य में लगे व्यक्तियों से अपेक्षित मापन योग्य प्रदर्शन परिणामों को परिभा बताते हैं कि उस कार्य को करने वाले व्यक्ति को क्या करना चाहिए और वह उसे करे भी।
अर्हता	मूल्यांकन और सत्यापन प्रक्रिया का एक औपचारिक परिणाम, जो तब प्राप्त होता है जब कोई निकाय यह निर्धारित करता है कि किसी व्यक्ति ने दिए गए मानक के अनुसार शिक्षण के म हासिल कर लिए हैं।
अर्हता फाइल	अर्हता फाइल एनएसक्यूएफ अनुपालना की दृष्टि से अर्हता की आवश्यक जानकारी प्राप्त करने किया गया एक टैम्पलेट है। अर्हता फाइल को सामान्यतः अवार्डिंग निकाय द्वारा अर्हता के लि जाएगा।
क्षेत्र	व्यावसायिक गतिविधियों का उनके प्रमुख आर्थिक कार्यों, उत्पाद, सेवा या प्रौद्योगिकी के आध

NCVET
कौशल गुणवत्ता प्रगति

भाग – 2

माइक्रो क्रेडेंशियल्स (एमसी) की तैयारी, अनुमोदन और उपयोग के लिए दिशानिर्देश

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी)

3 मार्च 2023

विषय-सूची

1. **परिचय: माइक्रो क्रेडेंशियल्स क्या हैं** **3**
2. **उद्देश्य/प्रयोजन** ..... Error! Bookmark not defined.
3. **दिशानिर्देशों का कार्यक्षेत्र** ..... Error! Bookmark not defined.
4. **प्रचालन प्रणाली** ..... Error! Bookmark not defined.
5. **निगरानी** ..... Error! Bookmark not defined.
6. **सारांश और निष्कर्ष** ..... Error! Bookmark not defined.

अनुबंध I (अनुमोदन के लिए टेम्पलेट) **19**

1. **परिचय: माइक्रो क्रेडेंशियल्स क्या हैं**

1.1. आज के सूचना युग में जहां ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्थाएं पनप रही हैं, शिक्षण की प्रक्रिया क्रॉस कटिंग विषयों के साथ निरंतर और बहु-विषयक है। एक विस्तृत पाठ्यक्रम की अवधारणा के पूरक के रूप में शिक्षण की छोटी सूक्ष्म इकाइयों / क्रेडेंशियल्स को रखने की आवश्यकता है जिनका उपयोग शिक्षार्थी का कौशल बढ़ाने, उसे पुन: कुशल बनाने और कौशल प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। इन इकाइयों को उस विशेष डोमेन का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेष योग्यताओं के अनुसार ढाल कर इस्तेमाल किया जा सकता है। इनका उपयोग आवश्यकता होने पर स्वतंत्र रूप से एक शिक्षार्थी को उन्नत बनाने के लिए भी किया जा सकता है। माइक्रो-क्रेडेंशियलिंग एक माइक्रो-क्रेडेंशियल अर्जित करने की प्रक्रिया है, जो एक विशिष्ट विषय क्षेत्र में मिनी-कोर्स या प्रमाणपत्र की तरह है। वे या तो व्यापक हो सकते हैं, जैसे 'मशीन लर्निंग', या विशिष्ट हो सकते हैं, जैसे 'पूर्वानुमानित विश्लेषण के लिए मशीन लर्निंग'।

1.2. परस्पर जुड़ी हुई आधुनिक दुनिया में प्रौद्योगिकी, प्रक्रियाएं और दक्षताएं बहुत तेज गति से विकसित होती हैं, जिसके लिए निरंतर और निर्बाध शिक्षण प्रणालियों की जरूरत होती है, और माइक्रो-क्रेडेंशियल्स के माध्यम से कौशल प्रदान करना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। कौशल को बाजार के लिए प्रासंगिक बनाए रखने के लिए मौजूदा पाठ्यक्रम में ऐसी सूक्ष्म इकाइयों को जोड़कर या आवधिक और आवश्यकता के आधार पर माइक्रो क्रेडेंशियल का उपयोग करके कौशल उन्नयन के माध्यम से प्रत्येक पाठ्यक्रम के समाप्त होने की निर्धारित अवधि की बाध्यता को हटाया जा सकता है। इसके अलावा, जहां उद्योग/संगठन कौशल उन्नयन हेतु मॉड्यूलर प्रशिक्षण/कौशल पाठ्यक्रम के लिए कामगारों को 30 घंटे से अधिक समय के लिए कार्यमुक्त नहीं कर पाते हैं, ऐसे उद्योगों की मांगों के लिए माइक्रो-क्रेडेंशियल्स बहुत उपयोगी होंगे। माइक्रो-क्रेडेंशियल्स एक समय में मिश्रित शिक्षण के माध्यम से बनाए गए प्रमाणों के पोर्टफोलियो द्वारा एक विशिष्ट कौशल में क्षमता साबित करके अर्जित सूक्ष्म-प्रमाणन का एक रूप है।

1.3. आज भारत में कौशल विकास का कार्य भारत को दुनिया की कौशल राजधानी बनाने के हमारे माननीय प्रधान मंत्री के विजन के अनुसार किया जा रहा है, इसके लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें से एक है - निरंतर सीखना, जो बदलती प्रौद्योगिकी के साथ हर समय उद्योगों की विभिन्न जरूरतों को पूरा करता है। माइक्रो क्रेडेंशियल्स का विकास और विभिन्न पाठ्यक्रमों में उनका सर्वश्रेष्ठ उपयोग कौशल

इकोसिस्टम को और समृद्ध बनाएगा। माइक्रो-क्रेडेंशियल्स छोटी-छोटी योग्यताएं हैं जो किसी दिए गए विषय क्षेत्र या क्षमता में कौशल, ज्ञान और / या अनुभव को दर्शाती हैं। माइक्रो-क्रेडेंशियल्स, जिन्हें नैनो-प्रमाणन के रूप में भी जाना जाता है, की रेंज डिप्लोमा या डिग्री जैसी पारंपरिक योग्यताओं की तुलना में कम होती है।

1.4. एनसीवीईटी को 5 दिसंबर 2018 की एनसीवीईटी राजपत्र अधिसूचना संख्या एसडी-17/113/2017-ईएंडपीडब्ल्यू के पैरा 16, बिंदु (एफ) के तहत एकीकृत कौशल नियामक के रूप में योग्यता पैकेजों के अनुमोदन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने और ऐसे दिशानिर्देशों में निर्धारित तरीके से योग्यता पैकेजों को मंजूरी देने की शक्ति प्राप्त है। एनसीवीईटी का गठन पूर्ववर्ती एनएसडीए और एनसीवीटी को मिलाकर किया गया है, पूर्ववर्ती एनएसडीए ने योग्यताओं के एनएसक्यूएफ अलाइनमेंट के लिए एनएसक्यूसी का गठन किया था, जो अब एनसीवीईटी के अंतर्गत है। एनएसक्यूएफ राजपत्र अधिसूचना संख्या 8/6/2013-आईएनवीटी पैरा 8, बिंदु (ii) -बी में उल्लेख किया गया है कि ज्ञान का प्रसार एक विषय से लेकर ज्ञान के बहु-आयामी क्षेत्रों तक हो सकता है। उपर्युक्त प्रावधान एनसीवीईटी को माइक्रो क्रेडेंशियल्स के विकास और एनएसक्यूएफ के साथ अलाइनमेंट सहित योग्यता विकास के विभिन्न पहलुओं पर दिशानिर्देश तैयार करने का अधिदेश प्रदान करते हैं।

1.5. कौशल विकास हेतु माइक्रो क्रेडेंशियल्स विकसित करने के लिए दिशानिर्देश जारी करने का प्रमुख उद्देश्य इस बात पर ज़ोर देना है कि नए युग की उद्यमी भूमिकाओं को निरंतर उन्नयन और विभिन्न क्षेत्रों में कौशल की आवश्यकता होती है ताकि किसी व्यक्ति को स्वतंत्र रूप से कुशलतापूर्वक प्रदर्शन करने में सक्षम बनाया जा सके। विभिन्न भूमिकाओं में काम करने वालों की आवश्यकता है जिनमें काम की भूमिका के प्रभावी निष्पादन के लिए कई क्षेत्रों के घटक शामिल हैं। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार के कौशलों में प्रशिक्षित कार्यबल की आवश्यकता होती है। इन कार्यों में कौशल प्रशिक्षण के लिए ऐसी योग्यताओं की जरूरत होगी जिनके शिक्षण से कार्य के लिए प्रासंगिक विभिन्न क्षेत्रों के विविध पहलुओं का प्रबंधन किया जा सके। क्रेडेंशियल्स के माध्यम से रोजगार कौशल, डिजिटल कौशल, सॉफ्ट स्किल्स प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न अन्य कौशल भी प्रदान किए जा सकेंगे।

1.6. एक माइक्रो-क्रेडेंशियल कौशल और ज्ञान का एक सुसंबद्ध मिश्रण हासिल करने को प्रमाणित करता है; और उद्देश्य कथन, शिक्षण के परिणामों, और उद्योग, नियोक्ताओं, सरकार या

समुदाय द्वारा आवश्यकता के मजबूत प्रमाण पर आधारित होता है। वे एक योग्यता से कम हैं और ऐसे कौशल विकास के अवसरों पर केंद्रित होते हैं जो वर्तमान में विनियमित कौशल इकोसिस्टम में उपलब्ध नहीं हैं। ये पारंपरिक डिग्री और प्रमाणपत्रों से अलग होते हैं क्योंकि इनकी अवधि आम तौर पर कम होती है या अधिक लचीली होती है और किसी विशेष क्षेत्र पर केंद्रित होते हैं।

माइक्रो क्रेडेंशियल्स इकाइयों का एक क्रम परिवर्तन हो सकता है (पहचाने गए शिक्षण के परिणामों पर केंद्रित प्रदर्शन मानदंड) जो एक क्षेत्र के भीतर या विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण के एक दिन में शिक्षण के 7.5 **घंटों के गुणक में विकसित किया जा सकता है, ये ऐसे** 04 **दिनों (**30 **घंटे) या ऐसे** 02 **दिनों का एक सेट हो सकता है अर्थात शिक्षण के** 15 **घंटे या ऐसा** 01 **दिन अर्थात फास्ट-ट्रैक मूल्यांकन के साथ** 7.5 **घंटे जो ऑनलाइन टूल्स / मोड्स का उपयोग करके किया जा सकता है। हालांकि जरूरत के आधार पर घंटों की संख्या अलग-अलग हो सकती है।**

1.7. माइक्रो-क्रेडेंशियल्स के कुछ उदाहरण निम्नानुसार हैं:

- **एंड्रॉयड को विकसित करना:** एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए ऐप्स बनाना शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल सीखें। शिक्षार्थी प्रक्रिया के तहत एक बुनियादी ऐप विकसित कर सकता है।
- **रणनीतिक निर्णय लेना**: प्रभावी निर्णय लेने, विचार-विमर्श और प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से प्रमुख व्यावसायिक रणनीतियों के माध्यम से आगे बढ़ना सीखें।
- **डिजिटल भुगतान**: डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कौशल
- **डिजिटल मार्केटिंग:** इंटरनेट और डिजिटल संचार के अन्य रूपों का उपयोग करके संभावित ग्राहकों से जुड़ने के लिए ब्रांड के प्रचार के लिए कौशल।
- **डेटा विश्लेषण**: विशेष कंप्यूटर सिस्टम का उपयोग करके निर्णय लेने के लिए मूल डेटा से अर्थ निकालने के लिए कौशल।
- **सुरक्षा प्रक्रियाएं और डेटा गोपनीयता:** किसी संगठन / उद्योग के मानक / आवश्यकताएं

Some desired characteristics of a Micro – Credential: -

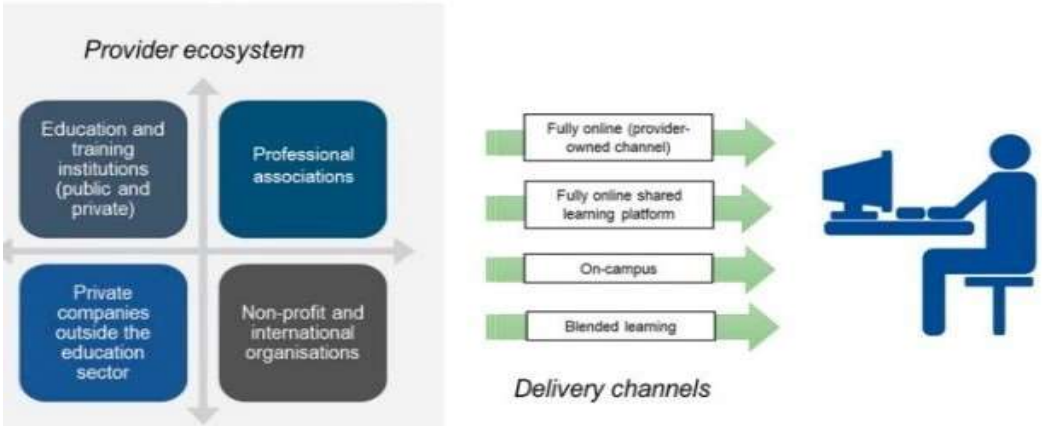

माइक्रो-क्रेडेंशियल प्रदाता इकोसिस्टम और डिलिवरी चैनल

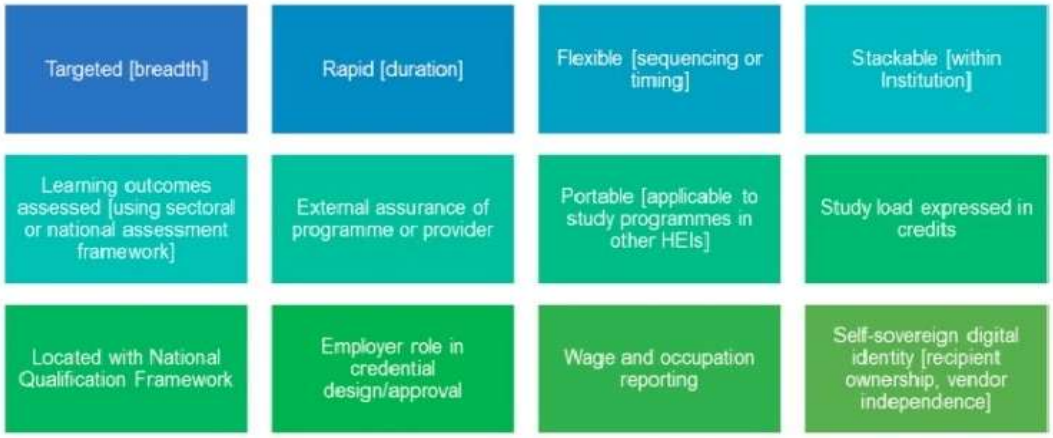

प्रदाता इकोसिस्टम		पूर्णतया ऑनलाइन (प्रदाता-स्वामित्व वाला चैनल)
शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थान (सार्वजनिक और निजी)	पेशेवर एसोसिएशन	पूर्णतया ऑनलाइन साझा शिक्षण प्लेटफॉर्म
		ऑन-कैंपस
शिक्षा क्षेत्र के बाहर की निजी कंपनियाँ	गैर-लाभ और अंतर्राष्ट्रीय संगठन	मिश्रित शिक्षण
		डिलिवरी चैनल

एक माइक्रो-क्रेडेंशियल की कुछ वांछनीय विशेषताएँ: -

लक्षित [व्यापकता]	तेज [अवधि]	लचीला [क्रम या समय]	स्टैकेबल [संस्था के अंदर]
आकलित किए गए शिक्षण के परिणाम [क्षेत्रीय या राष्ट्रीय आकलन ढांचे का प्रयोग करके]	कार्यक्रम या प्रदाता का बाह्य आश्वासन	पोर्टेबल [अन्य एचईआई में अध्ययन कार्यक्रमों पर लागू]	अध्ययन भार को क्रेडिट्स में व्यक्त करना
राष्ट्रीय योग्यता ढांचे के साथ स्थित	क्रेडेंशियल के डिजाइन/अनुमोदन में नियोक्ता की भूमिका	पारिश्रमिक और कार्य के लिए रिपोर्टिंग	स्व-संप्रभु डिजिटल पहचान [प्राप्तिकर्ता स्वामित्व, विक्रेता की स्वतन्त्रता]

2. उद्देश्य/प्रयोजन

2.1 **इन दिशा-निर्देशों को उभरते क्षेत्रों में कौशल विकास और शिक्षण के लिए उद्योग के लिए तैयार क्षेत्रों को करीबी इंडस्ट्री लिंकेज उपलब्ध कराने के लिए बनाया गया है, जिसमें आवश्यक लचीलापन प्रदान किया जा सके और कौशल इकोसिस्टम में सर्वोत्तम पद्धतियों को स्थापित किया जा सके।** दिशानिर्देशों का उद्देश्य माइक्रो क्रेडेंशियल्स के विकास और उपयोग के एक मैकेनिज़्म को परिभाषित करना है जो गुणवत्ता और उनकी क्षमता सुनिश्चित करने की उनकी कुशलता के आधार पर विभिन्न योग्यताओं के पहले से उपलब्ध ज्ञान और एनओएस के उपयोग की सुविधा प्रदान करता है।

इन दिशानिर्देशों के प्रमुख उद्देश्य निम्नानुसार हैं: -

2.1.1 माइक्रो क्रेडेंशियल्स को परिभाषित करना और माइक्रो क्रेडेंशियल्स के विकास और एनएसक्यूएफ संरेखण में आवश्यक जरूरतों की रूपरेखा तैयार करना।

2.1.2 इन मिनी इकाइयों को मौजूदा योग्यताओं में शामिल करने/जोड़ने या कौशल उन्नयन के लिए स्वतंत्र रूप से इनका उपयोग करने की प्रक्रिया।

2.1.3 यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रशिक्षण और मूल्यांकन सही तरीके से सही मूल्यांकनकर्ताओं और प्रशिक्षकों के साथ आयोजित किए जाते हैं जो माइक्रो क्रेडेंशियल्स प्रशिक्षण और मूल्यांकन करने में सक्षम हैं।

2.1.4 इन माइक्रो क्रेडेंशियल्स के कार्यान्वयन में उत्पन्न होने वाली विविध चुनौतियों का समाधान करना।

2.1.5 कार्यान्वयन में उत्पन्न होने वाले किसी भी मुद्दे के समाधान के लिए तंत्र स्थापित करें।

2.2. निम्नलिखित घटक दिशानिर्देशों को लाने के औचित्य को प्रमाणित करते हैं: -

2.2.1 **गतिशील उद्योग जरूरतें**: चूंकि आधुनिक कार्यस्थलों और उद्योग (विनिर्माण, सेवा और प्राथमिक क्षेत्र) को कौशल, निरंतर शिक्षण, क्रॉस-सेक्टोरल कौशल की आवश्यकता होती है, मॉड्यूलर प्रशिक्षण के लिए लघु पाठ्यक्रम भी वर्तमान और उभरते बाजार की आवश्यकताओं को संबोधित करने में मदद करेंगे, जिससे उद्योग भविष्य के लिए तैयार हो जाएगा। चाहे यह एक नए बाजार के अवसर, प्रौद्योगिकी या उत्पाद रणनीति से प्रेरित हो, संगठन को वर्तमान में कार्यबल में शामिल नहीं है । नए कौशल को आकर्षित करने की आवश्यकता हो सकती है। पारंपरिक क्रेडेंशियल्स को लागू करने में बहुत लंबा समय लग सकता है, या वे उद्योग की आवश्यकता वाले कौशल सेट के लिए कवरेज प्रदान नहीं कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, उद्योग परिवर्तन के आधार पर प्रक्रियाओं को बदलने के लिए परिवर्तन प्रबंधन की आवश्यकताओं को माइक्रो-क्रेडेंशियल के एक सेट द्वारा कवर किया जा सकता है, या यह स्टार्ट-अप के लिए निवेशक संबंधों का एक कैप्सूल हो सकता है, या किसी संगठन के लिए एक सुरक्षा और डेटा गोपनीयता दिशानिर्देश हो सकता है (जिसमें कर्मचारी को आवधिक आधार पर भाग लेना होगा)।

2.2.2**कौशल विकसित करना**: उन शिक्षार्थियों के प्रशिक्षण में माइक्रो क्रेडेंशियल्स की एक बड़ी भूमिका है, जिनके पास पहले से ही उत्पादकता और जिम्मेदारी के अगले स्तर के लिए कौशल और अनुरूप ज्ञान की गहराई है और साथ ही जिन्हें पहले के कौशल सेट को बेहतर बनाने के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, जीएसटी जैसी कुछ सरकारी प्रणालियों या जीईएम या गति-शक्ति जैसी नई प्रणाली की प्रक्रियाओं का उपयोग करने पर त्वरित पुनश्चर्या हो सकती है। उद्योग इसी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मूल सिद्धांतों पर एक छोटा सा कोर्स करना चाह सकता है।

2.2.3**शिक्षार्थी पर ज़ोर देना**: शिक्षार्थी को सबसे अधिक लाभ होगा क्योंकि उनके पास कई कौशल सेट प्राप्त करने के बाद निरंतर शिक्षण, पार गतिशीलता के लिए रास्ते होंगे। इसके अलावा बहु-विषयक अध्ययन के युग में यह शिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों की सर्वोत्तम प्रथाओं को शिक्षण और लागू करने के लिए समग्र संज्ञानात्मक क्षमताओं में सहायता करेगा। माइक्रो-क्रेडेंशियलिंग शिक्षार्थियों के लिए आजीवन लचीले तरीके से शिक्षण की मांग को पूरा करने का एक तरीका हो सकता है। आज के कार्यबल में, कर्मचारी हर **4.5** साल में नौकरी बदलते हैं और वे अपने जीवनकाल के दौरान कई बार या उससे अधिक बार करियर बदल सकते हैं जहां ये माइक्रो-क्रेडेंशियल्स नए संगठन में त्वरित शुरुआत प्रदान कर सकते हैं।

2.2.4**नए उद्योग कौशलों पर ज़ोर**: उद्योग की नई बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, जैसे कि "डिजिटल" रोजगार की कुछ भूमिकाओं का हिस्सा बन रहा है। गतिशील व्यावसायिक वातावरण में, नए, उभरते कौशल अंतर को भरने के लिए कर्मचारियों को जल्दी से प्रशिक्षित करने की क्षमता अमूल्य हो सकती है। माइक्रो-क्रेडेंशियल विशिष्ट क्षेत्रों में व्यक्तिगत स्टाफ सदस्यों को जल्दी से प्रशिक्षित करने का एक तरीका प्रदान करता है, ताकि आप उभरते बाजार के अवसरों का लाभ उठा सकें या प्रौद्योगिकी रुझानों के लिए समय पर प्रतिक्रिया दे सकें। व्यवसाय परिवर्तन एक सतत प्रक्रिया बन गई है और सभी क्षत्रों में इसे अपनाने की आवश्यकता है।

2.2.5**बहु-कौशल और अलग-अलग क्षेत्रों में रोजगार की भूमिकाएँ**

माइक्रो-क्रेडेंशियलिंग संगठनों के लिए यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण हो सकता है कि क्या स्टाफ के सदस्य अंतःविषय भूमिकाओं के लिए पर्याप्त रूप से कुशल हैं। उदाहरण के लिए, डिजिटल के उदय और विभिन्न भूमिकाओं में प्रौद्योगिकी उपकरणों पर निर्भरता के साथ, किसी व्यवसाय में किसी भी भूमिका या विभाग के लिए में प्रौद्योगिकी योग्यता की आवश्यकता होती है। माइक्रो-क्रेडेंशियलिंग व्यवसायों को अत्यधिक लक्षित विषय या क्षमता क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करके विषयों में तेजी से दक्षताओं का निर्माण करने की अनुमति देती है, कर्मचारियों को दीर्घकालिक योग्यता के लिए प्रतिबद्ध किए बिना।

2.2.6**विशेष कौशल सेट**

माइक्रो-क्रेडेंशियल्स व्यवसायों को विशेष कौशल अंतर को भरने में सक्षम बनाते हैं जिनका समाधान पारंपरिक क्रेडेंशियल्स के साथ नहीं किया जा सकता है।

2.2.7**संसाधनों का सर्वश्रेष्ठ उपयोग**

क) **नियोक्ता के लिए संसाधनों का बेहतर चैनलीकरण**: छोटे व्यवसायों/विनिर्माण/सेवा इकाइयों के लिए, छोटे पाठ्यक्रमों की आवश्यकता जो मौजूदा कार्यबल को पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित कर सकती हैं, माइक्रो-क्रेडेंशियल्स द्वारा पूरा किया जा सकता है।

ख) **निकायों को पुरस्कृत करने के लिए संसाधनों का बेहतर चैनलीकरण**: एनएसक्यूएफ संरेखित योग्यताओं के एनओएस के कई तत्वों/भागों को अपनाने के विकल्प के साथ, योग्यता में एनओएस के समान तत्वों / भागों को विकसित करने पर किए गए प्रयास / लगाए गए संसाधन कम हो सकते हैं, जिससे प्रक्रिया अधिक कुशल और उत्पादक हो सकती है। इसके

अतिरिक्त, सामग्री की किसी भी प्रतिकृति के बिना, किसी क्षेत्र / सेक्टर का सर्वोत्तम ज्ञान उपलब्ध कराया जा सकता है।

ग) **प्रशिक्षुओं द्वारा संसाधनों का बेहतर चैनलीकरण**: एक प्रशिक्षु को वांछित बहु-कौशल / क्रॉस-सेक्टोरल कौशल सेट प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षणों से गुजरना नहीं होगा, अन्यथा समय और धन दोनों के संदर्भ में अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता होती।

2.3 शिक्षण और कौशल विकास के लिए माइक्रो क्रेडेंशियल्स विकसित करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत: -

योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले विभिन्न निकायों में एनएसक्यूएफ संरेखित अर्हताओं/एनओएस से माइक्रो क्रेडेंशियल्स को अपनाने के साथ-साथ शिक्षण और उन्नयन के लिए मिनी एनओएस-माइक्रो क्रेडेंशियल्स विकसित करने हेतु पालन किए जाने वाले प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धांत निम्नानुसार हैं:

2.3.1 **उच्च गुणवत्ता**: माइक्रो क्रेडेंशियल का प्रस्ताव करते हुए योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाला निकाय एंड-टू-एंड विकास और क्रॉस-सेक्टोरल जॉब भूमिकाओं के साथ जुड़ाव और इन माइक्रो-क्रेडेंशियल्स को अपनाने की तैयारी का पूर्ण स्वामित्व और जिम्मेदारी लेगा। हालांकि, यदि अन्य क्षेत्रों की माइक्रो क्रेडेंशियल को क्रॉस-सेक्टोरल स्किलिंग के हिस्से के रूप में चुना जाता है, तो उन्हें प्रशिक्षण भागीदारों की पहचान करने, उस भूमिका को पूरा करने के लिए तैयार उपकरणों और मूल्यांकन एजेंसियों की पहचान करने की जिम्मेदारी साझा करनी होगी।

2.3.2 माइक्रो-क्रेडेंशियल्स के आधार पर अपनाना, एकीकरण और मूल्यांकन: माइक्रो-क्रेडेंशियल्स को अपनाने वाले एक योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकाय को योग्यता के डेवलपर द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार प्रशिक्षण डिलिवरी की गुणवत्ता, निष्पक्ष और विश्वसनीय मूल्यांकन प्रक्रिया जैसी "एकीकृत" योग्यता का स्वामित्व लेना चाहिए। क्रॉस-सेक्टोरल (सीएस) के लिए, प्रशिक्षण और मूल्यांकन के निष्पादन के लिए जिम्मेदारी को परिभाषित किया जाएगा। यह जिम्मेदारी एबी के लिए संचालन के मान्यता प्राप्त क्षेत्र के अलावा उस विशिष्ट एमएस / सीएस योग्यता के आवेदन की सीमा तक योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकाय के दिशानिर्देशों के अनुसार दी जाएगी।

2.3.3**लचीलापन और माँग आधारित विकास**: यह विचार करना भी महत्वपूर्ण है कि इनमें माइक्रो क्रेडेंशियल्स या स्वतंत्र प्रशिक्षणों को जोड़ने के दौरान विशिष्ट "स्थानीय जरूरतों, एकीकरण और कार्य विशिष्ट आवश्यकताओं" को संबोधित करने में कुछ लचीलापन प्रदान किया जाए। संगठनों और उनके प्रशिक्षण कार्यक्रमों को दिए जाने वाले लचीलापन माइक्रो-क्रेडेंशियल्स बेहद मूल्यवान हो सकते हैं।

3. दिशानिर्देशों का कार्यक्षेत्र

3.1 ये दिशानिर्देश एनसीवीईटी से मान्यता प्राप्त योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले सभी निकायों को माइक्रो क्रेडेंशियल्स विकसित करने की अनुमति देते हैं जो नीचे सूचीबद्ध निर्धारित मानदंडों के अनुसार एनएसक्यूएफ होंगे: -

3.1.1 ***सेक्टर संबंधी:*** उद्योग सत्यापन और माइक्रो क्रेडेंशियल्स आवश्यकता की मांग को स्थापित करना इस तरह की साख बनाने के लिए आवश्यक है। हालांकि, इस मामले में आवश्यक उद्योग सत्यापन एक पूर्ण योग्यता के लिए आवश्यकता से कम हैं।

3.1.2 ***क्षेत्रीय:*** माइक्रो क्रेडेंशियल्स की अनुमति केवल उसी क्षेत्र में दी जाएगी जिसके लिए एक योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकाय को पहले से ही एनसीवीईटी द्वारा मान्यता दी गई है। (हालांकि, पात्र मामलों में एनसीवीईटी कार्यान्वयन के क्षेत्र का विस्तार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है)। विशिष्ट मामलों में, इनका उपयोग वैश्विक स्थानों में तैनात कर्मचारियों द्वारा भी किया जा सकता है।

3.1.3 ***योग्यता:*** सभी प्रकार के माइक्रो क्रेडेंशियल्स, जो वर्तमान में सक्रिय रूप से एनएसक्यूएफ के अनुरूप हैं और अनुमोदित हैं या एनएसक्यूसी में अनुमोदन के लिए विचाराधीन हैं, इन दिशानिर्देशों के दायरे में होंगे।

3.1.4 ***प्रकृति:*** सार्वजनिक/निजी माइक्रो क्रेडेंशियल के रूप में वर्गीकरण। निजी माइक्रो-क्रेडेंशियल्स वे होंगे जिनकी सीमित पहुंच होगी और जहां औपचारिक रूप से अपनाने की आवश्यकता होगी। ये आम तौर पर संगठन के आईपीआर होते हैं और उचित अनुमति के बाद ही अपनाए या साझा किए जा सकते हैं। जबकि सार्वजनिक माइक्रो-क्रेडेंशियल्स खुली पहुंच वाले होंगे और उद्योग / संगठन द्वारा अपने एनओएस / योग्यता या स्टैंडअलोन मॉड्यूल में उपयोग किए जा सकते हैं। वे ओपन सॉफ्टवेयर कोड की तरह हैं जिन्हें किसी लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होती है।

3.1.5 ***अपनाना:*** योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकायों द्वारा विकसित माइक्रो क्रेडेंशियल्स अन्य मान्यता प्राप्त योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकायों को भी अपनाने के लिए उपलब्ध होंगे। **इसे अपनाने वाला योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाला निकाय विभिन्न क्षेत्रों की जरूरत को पूरा करने के लिए आवश्यक होने पर एक एकीकृत मॉड्यूल जोड़ना चाह सकता है।**

3.1.6 **मूल्यांकन प्रक्रिया:** चूंकि माइक्रो-क्रेडेंशियल्स के प्रशिक्षण के तहत बहुत अधिक हाथ के कौशल शामिल नहीं हैं, इसलिए यदि संभव हो तो माइक्रो-क्रेडेंशियल्स की ऑनलाइन मूल्यांकन प्रक्रिया का प्रस्ताव है। विषय के आधार पर मूल्यांकन के लिए मिश्रित शिक्षण दिशानिर्देशों का उचित रूप से उपयोग किया जा सकता है। बेहतर समझ के लिए माइक्रो-क्रेडेंशियल्स में अंतर्निहित रचनात्मक मूल्यांकन हो सकता है।

4. **प्रचालन** तंत्र

माइक्रो क्रेडेंशियल्स के लिए निम्नलिखित प्रचालन व्यवस्था का अनुसरण किया जाएगा: -

4.1.1 **क्षमता:** योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले विकसित हो रहे/स्वामी निकाय को स्वयं द्वारा विकसित किए जा रहे और अपनाए जा रहे माइक्रो क्रेडेंशियल्स के प्रशिक्षण, मूल्यांकन और संबंधित पहलुओं के संदर्भ में अपनी क्षमता और दक्षता को अतिरिक्त रूप से स्थापित करना होगा। क्षमता को प्रत्येक प्रदर्शन मानदंड के संदर्भ में स्थापित करने की आवश्यकता है जिसे किसी दिए गए स्तर पर शिक्षण के अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रदर्शित करने की आवश्यकता है।

4.1.2 उसी/भिन्न क्षेत्र से माइक्रो क्रेडेंशियल्स को अपनाने के चरण में पात्रता मानदंड, एनएसक्यूएफ स्तर, अनुमानित घंटे, शिक्षण के परिणाम, मान्यता और मूल्यांकन मानदंड (योग्यता के लिए), समीक्षा तिथि और साधनों तथा उपकरणों की सूची आदि जैसी बुनियादी संरचनाओं में परिवर्तन किए बिना माइक्रो क्रेडेंशियल्स को अपनाया जा सकता है। तथापि, अपनाने के मार्गदर्शक सिद्धांतों में कुल 20% की सीमा तक 'लचीलेपन' को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय या कार्य विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मामूली संशोधनों की अनुमति है। उदाहरण के लिए, सूचना सुरक्षा 'सार्वजनिक' माइक्रो क्रेडेंशियल हो सकता है, जिसे उद्योग अपनाता है और माइक्रो-क्रेडेंशियल्स में सूचना सुरक्षा दिशानिर्देशों की अपनी संगठन विशिष्ट आवश्यकताओं को जोड़ना चाह सकता है।

- माइक्रो-क्रेडेंशियल्स के अनिवार्य घटक (पीसी / एलओ) को हटाया नहीं जाएगा / कटौती नहीं की जाएगी। योग्यता के अनिवार्य घटक में 10% तक की वृद्धि की अनुमति दी जाएगी जिसे अनुमानित घंटों के संदर्भ में गिना जाएगा। यदि योग्यता में शिक्षण के अनिवार्य परिणाम का उल्लेख नहीं है, तो इसे विकसित करने वाले निकाय के परामर्श से एनसीवीईटी माइक्रो-क्रेडेंशियल्स के अनिवार्य घटकों के संबंध में निर्णय करेगा।
- योग्यता में माइक्रो-क्रेडेंशियल्स को एकीकृत करने की प्रक्रिया में माइक्रो-क्रेडेंशियल्स में 20% के समग्र संशोधन की अनुमति दी जाएगी।
- योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकायों में अपनाने के लिए एक माइक्रो क्रेडेंशियल उपलब्ध होगा।

4.1.3 **एक माइक्रो क्रेडेंशियल विकसित करना: -**

ऐसे माइक्रो क्रेडेंशियल्स विकसित करने के लिए निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धांत हो सकते हैं: -

4.1.3.1 **जरूरत का पुख्ता प्रमाण:** स्थापित उद्योग ऐसे क्षेत्रों में स्थापित आवश्यकता और इसके अनुरूप कैरियर प्रगति के साथ ऐसे माइक्रो क्रेडेंशियल्स बनाए जाने की मांग करता है।

- **एक नए माइक्रो-क्रेडेंशियल के लिए कम से कम 5 उद्योग सत्यापन के साथ आवश्यकता के स्पष्ट प्रमाण स्थापित किए जाने चाहिए। हालांकि, भविष्य के कौशल की आवश्यकता वाले माइक्रो-क्रेडेंशियल के लिए यह 2 उद्योग सत्यापन तक सीमित किया जा सकता है।**

4.1.3.2 **अनुमानित घंटे शिक्षण के एक दिन में 7.5 शिक्षण के घंटों का गुणक होंगे, निम्नलिखित कुछ उदाहरण हैं: -**

प्रकार	दिनों की संख्या	शिक्षण के घंटों की संख्या	एनओएस की संख्या
माइक्रो क्रेडेंशियल 1	01	7.5 (+0.5-घंटे का आकलन)	0.25
माइक्रो क्रेडेंशियल 2	02	15 (+1- घंटे का आकलन)	0.5
माइक्रो क्रेडेंशियल 3	03	22.5 (+1.5- घंटे का	0.75

		आकलन)	
माइक्रो क्रेडेंशियल 4	04	30 (+2- घंटे का आकलन)	1.00

* **उपर्युक्त आंकड़े संदर्भ के लिए हैं, उद्योग की आवश्यकताओं के आधार पर उपरोक्त आंकड़ों में कुछ भिन्नताएं हो सकती हैं।**

4.1.3.3 प्रदर्शन मानदंडों (पीसी) से बना प्रत्येक माइक्रो-क्रेडेंशियल उस विशेष कार्य / कौशल के लिए कार्यों, प्रदर्शन के मानकों और ज्ञान / समझ को परिभाषित करेगा जिसे वह प्रस्तुत करना चाहता है। सूचीबद्ध प्रदर्शन मानदंडों के माध्यम से प्रत्येक माइक्रो-क्रेडेंशियल प्रदर्शन के मानक को निर्दिष्ट करेगा जिसे किसी व्यक्ति को किसी मानक को निरंतर रूप से पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान तथा समझ के साथ-साथ कार्यस्थल में किसी कार्य को करते समय प्राप्त करना चाहिए।

4.1.3.4 प्रशिक्षण प्रणाली को सैद्धान्तिक जानकारी, व्यावहारिक जानकारी और ओजेटी के संदर्भ में स्थापित करने की आवश्यकता है जो उम्मीदवार अपने शिक्षण के लिए करेगा। क्रेडेंशियल के लिए प्रशिक्षण उपकरण निर्दिष्ट करने की आवश्यकता है। माइक्रो-क्रेडेंशियल्स को पूर्णत: सिद्धांत आधारित पाठ्यक्रम या पूर्णत: व्यावहारिक पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया जाएगा, जैसा कि उद्योग की आवश्यकता होगी।

4.1.3.5 प्रत्येक माइक्रो-क्रेडेंशियल मूल्यांकन रणनीति, प्रदर्शन मानदंडों के लिए मूल्यांकन मानदंड, मूल्यांकन उपकरणों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करेगा जिसका उपयोग समग्र तरीके से उम्मीदवार के मूल्यांकन के लिए किया जाएगा। यह एनएसक्यूएफ हेतु माइक्रो-क्रेडेंशियल्स के लिए टेम्पलेट के अनुसार होगा। टेम्प्लेट आईडी अनुबंध I के रूप में संलग्न है।

4.1.3.6 मूल्यांकन प्रक्रिया मिश्रित शिक्षण दिशानिर्देशों का पालन कर सकती है। मूल्यांकन उद्योग द्वारा तय अवधि के हो सकते हैं और लचीले होंगे। अपनी गति से चलाए जाने वाले माइक्रो क्रेडेंशियल्स के लिए, माँग-आधारित आकलन का उपयोग किया जा सकता है जो शिक्षण के अंतिम परिणामों को स्थापित करने में मदद कर सकता है (ऐसे मामलों में मूल्यांकन लेने का विकल्प एकाधिक प्रयासों के लिए अक्षम किया जाएगा और इसे एक दिशा में और समय के आधार पर सीमित किया जाएगा)।

4.1.3.7 माइक्रो-क्रेडेंशियल की वैधता एनएसक्यूएफ के अनुरूप योग्यताओं के समान होगी अर्थात 03 वर्ष।

4.1.3.8 राष्ट्रीय क्रेडिट ढांचे का पालन करने के लिए माइक्रो-क्रेडेंशियल्स शिक्षण के 7.5 अनुमानित घंटों के गुणक में होंगे। हालांकि, यह उद्योग की जरूरतों के आधार पर विशिष्ट मामलों में भिन्न हो सकता है।

4.1.3.9 प्रवेश आवश्यकताएं, स्तर और अनुमानित घंटे एनसीवीईटी द्वारा स्थापित एनएसक्यूएफ योग्यताओं के मानकीकरण ढांचे के अनुसार होंगे।

4.1.3.10 माइक्रो-क्रेडेंशियल को स्पष्ट रूप से किसी भी वैधानिक और लाइसेंसिंग आवश्यकताओं को परिभाषित करना चाहिए यदि यह क्षेत्र और कार्य पर लागू हो।

4.1.3.11 **इस माइक्रो क्रेडेंशियल को प्राप्त करने के बाद एक प्रशिक्षु के कार्य के क्षेत्रों में क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर एनओएस/माइक्रो क्रेडेंशियल्स और योग्यताओं की सूची।** प्रत्येक माइक्रो क्रेडेंशियल शिक्षार्थी को नए क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर एनओएस / क्रेडेंशियल्स शिक्षण के लिए सशक्त बनाएगा।

4.1.3.12 प्रत्येक माइक्रो क्रेडेंशियल आमतौर पर पांच या छह पृष्ठों का प्रदर्शन मानदंडों के एक संयोजन वाला एक संक्षिप्त और पठनीय दस्तावेज होना चाहिए। एमसी के लिए मॉडल पाठ्यक्रम, उद्योग सत्यापन और लाइन मंत्रालय, जहां इस क्षेत्र को प्रमुख रूप से विनियमित किया जाता है (जैसे स्वास्थ्य सेवा), की सहमति जैसे अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने होंगे। हालांकि, उद्योग विशिष्ट माइक्रो क्रेडेंशियल्स के मामले में, जहां पाठ्यक्रम आईपीआर है, केवल पाठ्यक्रम की संरचना प्रस्तुत की जा सकती है।

4.1.3.13 एक बार अनुमोदित होने के बाद, माइक्रो-क्रेडेंशियल्स को राष्ट्रीय योग्यता रजिस्टर (एनक्यूआर) की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

4.1.3.14 माइक्रो क्रेडेंशियल्स का उपयोग इस प्रकार किया जाएगा: -

- अलग पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण की स्वतंत्र इकाइयाँ।
- एक ही क्षेत्र से मौजूदा योग्यता के साथ संयोजन में।
- अपनाने के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में योग्यताओं की शिक्षण की इकाई के तहत।

4.1.4 **माइक्रो क्रेडेंशियल्स का प्रशिक्षण कार्यान्वयन:**

- ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों मोड पर ध्यान केंद्रित करने के साथ मिश्रित शिक्षा पर एनसीवीईटी के दिशानिर्देश संभावित शिक्षार्थियों, जिनमें से कई विभिन्न संगठनों में मौजूदा कर्मचारी होंगे, को माइक्रो क्रेडेंशियल्स के लिए विभिन्न विकल्प प्रदान करेंगे। हालांकि, यह सुझाव दिया जाता है कि माइक्रो-क्रेडेंशियल्स की पहुंच बढ़ाने के लिए आदर्श रूप से जहां तक संभव हो ऑन-लाइन सामग्री बनाई जाए।
- प्रशिक्षण एनएसक्यूएफ अनुरूप योग्यताओं के लिए एक सूचीबद्ध प्रशिक्षण भागीदार के साथ प्रदान किया जाएगा, जिसने माइक्रो क्रेडेंशियल के क्षेत्र / सेक्टर में प्रशिक्षित करने की क्षमता स्थापित की है।
- विभिन्न क्षेत्रों में कौशल के लिए सुसज्जित प्रशिक्षण केंद्रों की पहचान संयुक्त रूप से संबंधित क्षेत्रों द्वारा की जाएगी जहां क्रॉस-सेक्टोरल (सीएस) योग्यताओं के लिए माइक्रो क्रेडेंशियल्स को अपनाया जाता है।

4.1.5 **प्रमाण पत्र जारी करना:** माइक्रो क्रेडेंशियल प्रमाण पत्र संबंधित योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकाय द्वारा जारी किया जाएगा और प्रमाण पत्र के संबंध में एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार होगा।

5. निगरानी

5.1 **एनसीवीईटी विभिन्न मान्यता प्राप्त निकायों द्वारा साझा की जाने वाली लागत पर मानक प्रक्रिया के अनुसार स्वयं या किसी तृतीय पक्ष के माध्यम से प्रशिक्षण और अन्य संबंधित पहलुओं के संदर्भ में माइक्रो क्रेडेंशियल्स के उपयोग की वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा करेगा।** इकोसिस्टम में किसी भी इकाई द्वारा अपनाए गए प्रत्येक व्यक्तिगत माइक्रो क्रेडेंशियल के लिए गुणवत्ता की जांच की जाएगी।

5.2 यदि एनसीवीईटी चाहता है तो वह समीक्षा के तहत साइट विज़िट का विकल्प चुन सकता है। परिषद एनसीवीईटी अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार माइक्रो क्रेडेंशियल्स से संबंधित कोई जानकारी भी मांग सकती है।

5.3 एनसीवीईटी द्वारा उन माइक्रो क्रेडेंशियल्स के संबंध में अधिकार वापस लिए जा सकते हैं जो वार्षिक समीक्षा के दौरान सक्रिय नहीं पाए जाते हैं। कोई भी माइक्रो क्रेडेंशियल जिसमें शून्य/न्यूनतम प्रशिक्षण के बाद कोई मूल्यांकन और प्रमाणन एक वर्ष की अवधि में पंजीकृत/दर्ज नहीं किया गया है, उसे गैर-सक्रिय माना जाएगा।

5.4 एनसीवीईटी द्वारा निगरानी संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।

6. सारांश और निष्कर्ष

उद्योग द्वारा माइक्रो-क्रेडेंशियल्स की आवश्यकता दी गई थी और ये दिशानिर्देश गतिशील/बदलती जरूरतों के आधार पर गतिशील रूप से बदल सकते हैं। निम्नलिखित तालिका माइक्रो-क्रेडेंशियल्स, एनओएस और योग्यता के बीच अंतर को संक्षेप में प्रस्तुत करती है:

हेडर\प्रकार	**माइक्रो-क्रेडेंशियल्स**	**एनओएस**	**योग्यताएँ**
उपयोग	कौशल उन्नयन	कौशल उन्नयन, ब्रिज पाठ्यक्रम, कौशल प्रदान करना	कौशल उन्नयन, पुन: कौशल प्रदान करना, कौशल प्रदान करना
घंटों की संख्या	आदर्श रूप में 7.5 के गुणक में 15, 22.5 या 30 घंटे तक हो सकता है	• मानक - 30 घंटे के गुणक में • विशेष आवश्यकता -15 घंटे के गुणक में	30 के गुणक में 150 से 1200 घंटे तक
प्रकार	क) सार्वजनिक: किसी के भी द्वारा अपनाए जाने के लिए उपलब्ध ख) निजी: एबी/उद्योग निकाय के साथ खुला पाठ्यक्रम विषयवस्तु आईपीआर	1. लागू होने के अनुसार: क) सामान्य ख) डोमेन 2. संरचना के अनुसार : क) अनिवार्य ख) वैकल्पिक 3. अनुमोदन के अनुसार: क) स्टैंडअलोन ख) योग्यता के तहत एनओएस	
उद्योग द्वारा सत्यापन	सार्वजनिक के लिए 5 माइक्रो-क्रेडेंशियाल्स निजी के लिए 1 (भविष्य के कौशल के	मानक योग्यता अनुमोदन के लिए आवश्यकतानुसार	नए के लिए 30 परिवर्तनों के साथ संशोधित के लिए 21 परिवर्तनों के बिना संशोधित के लिए

	लिए 2)		5 (भविष्य के कौशल के लिए 5)
स्तर	सभी स्तरों पर आ सकते हैं प्रवेश स्तर के समान होगा। हालांकि, केवल स्तर 6 और उससे ऊपर के लिए 15 घंटे से कम पाठ्यक्रम बनाने का सुझाव दिया जाता है।	सभी स्तरों पर संभव	सभी स्तरों पर संभव (1-8)
अनुशंसित डिलिवरी प्रणाली	ऑनलाइन को प्राथमिकता	मिश्रित दिशानिर्देशों के अनुसार	मिश्रित दिशानिर्देशों के अनुसार
अनुशंसित आकलन पद्धति	ऑनलाइन को प्राथमिकता	मिश्रित दिशानिर्देशों के अनुसार	मिश्रित दिशानिर्देशों के अनुसार

अनुबंध I

योग्यता फ़ाइल - माइक्रो क्रेडेंशियल

< योग्यता का नाम >

☐ क्षैतिज/सामान्य ☐ वर्टिकल/विशेषज्ञता ☐ भविष्य के कौशल ☐ क्रॉस सेक्टोरल (सीएस)

एनएसक्यूएफ स्तर:

द्वारा प्रस्तुत:
< प्रस्तुत करने वाले निकाय का नाम>
< प्रस्तुत करने वाले निकाय का संपर्क विवरण>

भाग 1: **मूलभूत जानकारी**

1.	**क्षेत्र**	*उन क्षेत्रों के नाम का उल्लेख करें जिनमें योग्यता प्रदान की जा रही है*	
2.	**माइक्रो क्रेडेंशियल-योग्यता का नाम**	*योग्यता के नाम का उल्लेख करें*	
3.	**एनसीवीईटी राष्ट्रीय योग्यता रजिस्टर (एनक्यूआर) कोड**	*योग्यता के एनएसक्यूसी अनुमोदन के बाद प्रदान किए गए एनक्यूआर कोड और संस्करण का उल्लेख करें।.*	**एनएसक्यूएफ स्तर:** *एनएसक्यूसी द्वारा अनुमोदित एनएसक्यूएफ स्तर का उल्लेख करें।*
4.	**संक्षिप्त विवरण**	*योग्यता का संक्षिप्त विवरण दें।*	
5.	**योग्यता से प्रगति**	*कृपया पेशेवर और शैक्षणिक प्रगति दर्शाएँ। कार्य की भूमिका/शैक्षणिक प्रगति का नाम प्रदान करें जो इस योग्यता प्रशिक्षण को पूरा करने के बाद संभव होगा।*	
6.	**प्रशिक्षु के लिए पात्रता मानदंड:**	क. **योग्यता और कार्य अनुभव**	

		<table><tr><th>क्र.सं.</th><th>योग्यता (विशेषज्ञता के साथ- यदि लागू हो)</th><th>आवश्यक कार्य अनुभव (विशेषज्ञता के साथ- यदि लागू हो)</th></tr><tr><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td></td><td></td><td></td></tr></table> ख. **आयु:** *< किसी भी कानूनी प्रतिबंध के मामले में आयु का उल्लेख करें >*
7.	**इस योग्यता को सौंपे गए क्रेडिट (राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के अनुसार)**	योग्यता के सफल अर्जन पर एक प्रशिक्षु को मिलने वाले कुल क्रेडिट्स का उल्लेख करें।.
8.	**कोई भी लाइसेंसिंग आवश्यकताएं / पूर्व-आवश्यकताएं (जहां भी लागू हों)**	जहां भी लागू हो, किसी भी लाइसेंस या कानूनी अनुपालन का उल्लेख करें
9.	**प्रशिक्षण डिलिवरी मोड**	☐ **कक्षाकक्ष/लैब** ☐ **ऑनलाइन** ☐ **मिश्रित**
10.	**अपेक्षित परिणाम**	अलग-अलग टर्म में शिक्षण के परिणाम हैं: • • *टर्म के अनुसार उन सभी शिक्षण के परिणामों का उल्लेख करें जो योग्यता में शामिल किए जाएंगे।*

11.	*प्रशिक्षण अवधि (चयनित प्रशिक्षण डिलिवरी मोड के अनुसार और योग्यता की आवश्यकता के अनुसार कुल अवधि निर्दिष्ट करें)* *पाठ्यक्रम की संरचना के अनुसार डिलिवरी का तरीका चुना जाता है। चयनित मोड के लिए प्रशिक्षण डिलिवरी घंटों का उल्लेख करें।* *यह कथन पंक्ति 9 के अनुरूप होना चाहिए।*	<table><tr><th colspan="2">प्रशिक्षण डिलिवरी मोड</th><th>सैद्धान्तिक (घंटे)</th><th>प्रैक्टिकल (घंटे)</th><th>कुल (घंटे)</th></tr><tr><td colspan="2">कक्षा</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td colspan="2">नलाइन</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td rowspan="2">मिश्रित</td><td>नलाइन</td><td></td><td></td><td></td></tr><tr><td>फलाइन</td><td></td><td></td><td></td></tr></table>
12.	**मूल्यांकन मानदंड**	<table><tr><th>सैद्धान्तिक (अंक)</th><th>प्रैक्टिकल (अंक)</th><th>प्रोजेक्ट (अंक)</th><th>वाइवा (अंक)</th><th>कुल (अंक)</th><th>उत्तीर्ण होने के लिए प्रतिशत</th></tr><tr><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td><td></td></tr></table>
13.	**क्या योग्यता दिव्यांग व्यक्तियों के अनुरूप है?**	**☒ हाँ ☐ नहीं यदि "हाँ" तो दिव्यांगता का प्रकार बताएं:** अनुसूची के अनुसार दिव्यांगता विकलांगता का प्रकार निर्दिष्ट करें :A2016_49.pdf (indiacode.nic.in)
14.	**अन्य भारतीय भाषाएं जिनमें योग्यता और मॉडल पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया जा रहा है**	उस भाषा का उल्लेख करें जिसमें पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया है .
15.	**क्या एनक्यूआर पर समान माइक्रो क्रेडेंशियल योग्यता(एँ) उपलब्ध है?**	**☒ हाँ ☐ नहीं समान योग्यताओं वाले यूआरएल:** यदि एनक्यूआर पर समान योग्यता उपलब्ध है, तो एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार मौजूदा योग्यता को अपनाने का विकल्प चुनने की सिफारिश की जाती है।

		यदि अभी भी योग्यता प्रस्तुत करने की आवश्यकता है तो उसके लिए एक औचित्य प्रदान करें।	
16.	***नाम और संपर्क विवरण प्रस्तुत करना / योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकाय के एसपीओसी (सीएस के मामले में, लीड एबी और सहायक एबी दोनों का विवरण प्रदान करें)***	**नाम:** **ईमेल:** **संपर्क संख्या:** **वेबसाइट:**	
17.	**एनएसक्यूसी अनुमोदन तिथि**	उस तारीख का उल्लेख करें जिस पर एनएसक्यूसी द्वारा योग्यता को मंजूरी दी गई है। .	**समीक्षा की अगली तारीख:** अगली समीक्षा तिथि एनसीवीईटी के एबी दिशानिर्देशों के अनुसार एनएसक्यूसी अनुमोदन तिथि से *3* वर्ष से कम या इसके बराबर होनी चाहिए। अंतिम अगली समीक्षा तिथि एनएसक्यूसी द्वारा प्रदान की गई मंजूरी के अनुसार होगी।.

भाग 2: प्रशिक्षण से संबंधित

1.	**प्रशिक्षक की योग्यता और संबंधित क्षेत्र में अनुभव (वर्षों में)** (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	*योग्यता की आवश्यकता के अनुसार शैक्षिक योग्यता, अनुभव, प्रमाणन, आदि का उल्लेख करें।*
2.	**मास्टर ट्रेनर की योग्यता और संबंधित क्षेत्र में अनुभव (वर्षों में)** (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	*योग्यता की आवश्यकता के अनुसार शैक्षिक योग्यता, अनुभव, प्रमाणन, आदि का उल्लेख करें।*
3.	**प्रशिक्षक के प्रशिक्षण की व्यवस्था**	

	(एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	
4.	**प्रशिक्षण के लिए आवश्यक साधन और उपकरण**	☐ **हाँ** ☐ **नहीं** *(यदि "हाँ", तो विवरण अनुबंध में प्रदान किया जाना चाहिए)*

भाग 3: मूल्यांकन से संबंधित

1.	**मूल्यांकनकर्ता की योग्यता और संबंधित क्षेत्र में अनुभव (वर्षों में)** (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	*योग्यता की आवश्यकता के अनुसार शैक्षिक योग्यता, अनुभव, प्रमाणन, आदि का उल्लेख करें।* *माइक्रो क्रेडेंशियल्स के मामले में, जहां भी लागू हो, एनसीवीईटी दिशानिर्देशोंके अनुसार प्रशिक्षक द्वारा स्वयं मूल्यांकन किया जा सकता है।.*
2.	**प्रॉक्टर की योग्यता और संबंधित क्षेत्र में अनुभव (वर्षों में)** (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	*योग्यता की आवश्यकता के अनुसार शैक्षिक योग्यता, अनुभव, प्रमाणन, आदि का उल्लेख करें।*
3.	**प्रमुख मूल्यांकनकर्ता/प्रॉक्टर की योग्यता और संबंधित क्षेत्र में अनुभव (वर्षों में)** (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	*योग्यता की आवश्यकता के अनुसार शैक्षिक योग्यता, अनुभव, प्रमाणन, आदि का उल्लेख करें।*
4.	**मूल्यांकनकर्ता/प्रॉक्टर के प्रशिक्षण की व्यवस्था** (एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार)	
5.	**मूल्यांकन मोड**	*मूल्यांकन मोड का उल्लेख करें और अनुबंध में विस्तृत मूल्यांकन नीति का उल्लेख*

		करें।
6.	**मूल्यांकन के लिए आवश्यक साधन और उपकरण**	☐ **प्रशिक्षण के समान** ☐ **हाँ** ☐ **नहीं** *(विवरण अनुबंध में प्रदान किया जाना चाहिए - यदि यह मूल्यांकन के लिए अलग है)* *अनुबंध संख्या और नाम का उल्लेख करें.*

भाग 4: **माइक्रो क्रेडेंशियल की जरूरत का प्रमाण**

अनुबंध/सहायक दस्तावेज का नाम प्रदान करें।

1.	सरकार/उद्योग की पहल/आवश्यकता (हां/नहीं): यदि हां, तो सहायक दस्तावेज़ नाम का उल्लेख करें।
2.	प्रदान किए गए उद्योग सत्यापन की संख्या: *< उद्योग सत्यापन, सारांश और उद्योग सत्यापन (प्रारूप के अनुसार) के लिए अनुबंध और सहायक दस्तावेज़ विवरण दोनों निर्दिष्ट करें >*
3.	प्रशिक्षित किए जाने वाले लोगों की अनुमानित संख्या: *< अनुबंध में विवरण निर्दिष्ट करें >*

भाग 5: अनुबंध **जांच सूची**

किसी भी पंक्ति आइटम को न हटाएँ। जहां किसी अनुबंध या सहायक दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है वहाँ "एनए" का उल्लेख करें। अनुलग्नकों/सहायक दस्तावेजों के टेम्प्लेट, जिनकी आवश्यकता नहीं है, उन्हें हटाया जा सकता है, लेकिन उन्हें चेकलिस्ट से न निकालें।

अनुबंध संख्या और नाम का उल्लेख करें।

1.	**अनुबंध:** एनएसक्यूएफ वर्णनकर्ताओं के आधार पर एनएसक्यूएफ स्तर का औचित्य (अनिवार्य)	अनुबंध संख्या और नाम का उल्लेख करें और अनुबंध में विवरण प्रदान करें।
2.	**अनुबंध:** शिक्षण के परिणाम और मूल्यांकन मानदंड (अनिवार्य)	अनुबंध संख्या और नाम का उल्लेख करें और अनुबंध में विवरण प्रदान करें।

3.	**अनुबंध:** मूल्यांकन रणनीति (अनिवार्य)	अनुबंध संख्या और नाम का उल्लेख करें और अनुबंध में विवरण प्रदान करें।
4.	**अनुबंध:** योग्यता के लिए प्रासंगिक साधनों और उपकरणों की सूची (अनिवार्य - ऑनलाइन पाठ्यक्रम के मामले को छोड़कर)	अनुबंध संख्या और नाम का उल्लेख करें और अनुबंध में विवरण प्रदान करें।
5.	**अनुबंध:** मिश्रित शिक्षा (डिलिवरी के चयनित तरीके "मिश्रित शिक्षा" के मामले में अनिवार्य है)	अनुबंध संख्या और नाम का उल्लेख करें और अनुबंध में विवरण प्रदान करें।
6.	**अनुबंध:** संक्षिप्त नाम और शब्दावली (वैकल्पिक)	अनुबंध संख्या और नाम का उल्लेख करें और अनुबंध में विवरण प्रदान करें।

अनुबंध: स्तर का प्रमाण

राजपत्र अधिसूचना एनएसक्यूएफ विवरणकर्ताओं के अनुसार निर्दिष्ट एनएसक्यूएफ स्तर के लिए औचित्य प्रदान करें: https://ncvet.gov.in/nsqf-notification.

एनएसक्यूएफ डोमेन	कार्य की भूमिका / योग्यता के परिणाम की मुख्य आवश्यकताएं	कार्य की भूमिका / परिणाम एनएसक्यूएफ स्तर वर्णनकर्ता से कैसे संबंधित हैं	एनएसक्यूएफ स्तर
प्रक्रिया			
पेशेवर ज्ञान			
पेशेवर कौशल			
प्रमुख कौशल			
ज़िम्मेदारी			

अनुबंध: शिक्षण के परिणाम और मूल्यांकन मानदंड

योग्यता के लिए विस्तृत शिक्षण परिणामों और मूल्यांकन मानदंडों का उल्लेख करें

क्र.सं.	शिक्षण के परिणाम	सैद्धान्तिक अंक	प्रैक्टिकल अंक	प्रोजेक्ट अंक	वाइवा अंक
1.					
2.					
3.					
कुल अंक					

अनुबंध: मूल्यांकन रणनीति

मूल्यांकन रणनीति निर्दिष्ट करें और योग्यता की आवश्यक दक्षताओं पर उम्मीदवार का मूल्यांकन करने की योजना बनाएं.

.....

.....

अनुबंध: साधन और उपकरण

साधनों और उपकरणों की सूची

बैच का आकार:_

कक्षाओं के संचालन के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी साधन और उपकरण का उल्लेख करें

क्र.सं.	साधन/उपकरण का नाम	विशिष्टता	निर्दिष्ट बैच आकार के लिए मात्रा

कक्षा-कक्ष सहायक साधन: कक्षा में सत्र आयोजित करने के लिए आवश्यक सहायक उपकरण हैं::

1.
2.

अनुबंध: उद्योग सत्यापन सारांश

तालिका में सभी उद्योग सत्यापन की सारांश जानकारी प्रदान करें.

क्र.सं.	संगठन का नाम	प्रतिनिधि का नाम	पदनाम	संपर्क पता	संपर्क फ़ोन नंबर	ईमेल आईडी	लिंक्डइन प्रोफाइल (यदि उपलब्ध हो)

अनुबंध: प्रशिक्षण विवरण

प्रशिक्षण पूर्वानुमान: अगले *3* वर्षों के लिए वर्ष-वार डेटा प्रदान करें

वर्ष	कुल अभ्यर्थियों का अनुमानित प्रशिक्षण #	महिलाओं का अनुमानित प्रशिक्षण #	दिव्यांग लोगों का अनुमानित प्रशिक्षण #

अगले 3 वर्षों के लिए वर्ष-वार डेटा प्रदान करें।

अनुबंध: मिश्रित शिक्षा

मिश्रित शिक्षण अनुमानित अनुपात और अनुशंसित साधन:

एनसीवीईटी "व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल के लिए मिश्रित शिक्षा संबंधी दिशानिर्देश" देखें जो निम्न वेबसाइट पर उपलब्ध है:
https://ncvet.gov.in/sites/default/files/Guidelines%20for%20Blended%20Learning%20for%20Vocational%20Education,%20Training%20&

%20Skilling.pdf

क्र.सं.	योग्यता के घटकों का चयन करें	अनुशंसित उपकरणों की सूची - सभी चयनित घटकों के लिए	ऑफ़लाइन: ऑनलाइन अनुपात
1	☐ सिद्धान्त/व्याख्यान - सैद्धांतिक और संकल्पनात्मक ज्ञान प्रदान करना		
2	☐ शिक्षार्थियों को सॉफ्ट स्किल्स, जीवन कौशल और रोजगार की योग्यता संबंधी कौशल /मेंटरशिप प्रदान करना		
3	☐ शिक्षार्थियों को व्यावहारिक प्रदर्शन दिखाना		
4	☐ व्यावहारिक व्यावहारिक कौशल/ लैब कार्य / कार्यशाला / शॉप फ्लोर प्रशिक्षण प्रदान करना		
5	☐ ट्यूटोरियल/ असाइनमेंट / ड्रिल / अभ्यास		
6	☐ प्रोक्टर्ड निगरानी/आकलन/मूल्यांकन/जाँच		
7	☐ जॉब के साथ ट्रेनिंग (ओजेटी)/प्रोजेक्ट वर्क इंटर्नशिप		

अनुबंध: संक्षिप्त नाम और शब्दावली

पाठ्यक्रम में उपयोग किए जाने वाले प्रासंगिक संक्षिप्त नाम और शब्दावली जोड़ें

संक्षिप्त नाम

संक्षिप्त नाम	विवरण
एए	मूल्यांकन एजेंसी
एबी	प्रमाण-पत्र जारी करने वाला निकाय
एनसीआरएफ	नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क
एनक्यूआर	राष्ट्रीय योग्यता रजिस्टर
एनएसक्यूएफ	राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क

शब्दावली

शब्द	विवरण
योग्यता	मूल्यांकन और सत्यापन प्रक्रिया का एक औपचारिक परिणाम जो तब प्राप्त होता है जब एक सक्षम निकाय यह निर्धारित करता है कि किसी व्यक्ति ने दिए गए मानकों के अनुसार शिक्षण के परिणाम प्राप्त किए हैं।
योग्यता फ़ाइल	एक योग्यता फ़ाइल एक टेम्पलेट है जिसे एनएसक्यूएफ अनुपालन के परिप्रेक्ष्य से योग्यता की आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। योग्यता फाइल सामान्य रूप से योग्यता का प्रमाण-पत्र जारी करने वाले निकाय द्वारा प्रस्तुत की जाएगी।
क्षेत्र	मुख्य आर्थिक कार्य, उत्पाद, सेवा या प्रौद्योगिकी के आधार पर बनाया गया व्यावसायिक गतिविधियों का एक समूह।